

जितेन्द्र साहू कोरबा एवं गोपाल वर्मा बने करतला बीईओ



कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ शासन ने कोरबा जिले के रिक्त पड़े कोरबा विकासखण्ड शिक्षाधिकारी एवं करतला विकासखण्ड शिक्षाधिकारी के पद पर नई नियुक्ति की है। रजगामार के प्राचार्य जितेन्द्र साहू को कोरबा बीईओ एवं गढ़ उपरोड़ा के प्राचार्य गोपाल प्रसाद वर्मा को करतला बीईओ के रूप में नई पदस्थापना दी है। दोनों अधिकारियों ने पदभार ग्रहण कर लिया है। कोरबा बीईओ संजय अग्रवाल की सेवानिवृत्ति एवं करतला बीईओ संदीप पाण्डेय के बिलासपुर डीईओ बनने पर दोनों पद रिक्त थे।

CGPSC घोटाला... चेतन बोरघरिया के खाते में जमा हुए 66.64 लाख

ईडी का दावा- 170 ट्रांजेक्शन मिले, मैरिज पैलेस में बांटे प्रश्नपत्र, भूपेश के ओएसडी थे रायपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (CGPSC) पेपर लीक मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के तत्कालीन ओएसडी चेतन बोरघरिया को गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने चेतन बोरघरिया से पूछताछ की है। ईडी के अनुसार चेतन के बैंक खाते में 170 ट्रांजेक्शन के जरिए 66.64 लाख कैश जमा हुए। चेतन बोरघरिया और उत्कर्ष चंद्राकर के बीच कई वित्तीय लेन-देन भी सामने आए हैं। ईडी के मुताबिक, सीजीपीएससी परीक्षा 2021 में कुछ अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले ही लोक प्रश्नपत्र उपलब्ध कराया गया था। प्रिलिम्स एग्जाम से पहले रायपुर के सिद्धि विनायक मैरिज पैलेस में अभ्यर्थियों को प्रश्नपत्र बांटा गया। इसके बाद बरनवापारा अभधारण्य के एक रिसॉर्ट में ठहराकर मुख्य परीक्षा के लोक प्रश्नपत्र के आधार पर कथित तौर पर कोचिंग दी गई।

3 करोड़ से ज्यादा की अवैध रकम लेने का आरोप

ईडी की जांच के मुताबिक, उत्कर्ष चंद्राकर, अनिल चंद्राकर और डॉ. विकास चंद्राकर ने सीजीपीएससी राज्य सेवा परीक्षा 2021 के अलग-अलग अभ्यर्थियों से 3 करोड़ रुपए से ज्यादा की कथित अवैध रकम जुटाई। आरोप है कि अभ्यर्थियों को पहले ही प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने और उनका चयन कराने का भरोसा दिया गया था। इसके लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री कार्यालय में अपने कथित संपर्क और प्रभाव का इस्तेमाल करने की बात कही गई।

जांच में यह भी सामने आया कि ऐसे आश्वासनों के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री कार्यालय में ओएसडी रहे चेतन बोरघरिया के नाम और उनके अधिकारिक पद का कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया।

मोबाइल की फॉरेंसिक जांच में बातचीत सामने आई

ईडी के मुताबिक, जब डिजिटल डिवाइस की फॉरेंसिक जांच में चेतन बोरघरिया और उत्कर्ष चंद्राकर के बीच हुई बातचीत सामने आई। इनमें वित्तीय लेन-देन और रकम वापस करने या भुगतान की मांग से संबंधित बातचीत भी शामिल थी।

जांच में M/s Figurecave E-Com (OPC) Private Limited से जुड़े कई वित्तीय लेन-देन भी सामने आए हैं। ईडी को संदेह है कि इस कंपनी का इस्तेमाल रकम को अलग-अलग स्तर पर घुमाने और फंड की लेयरिंग के लिए किया गया।

PMLA की धारा 19 में गिरफ्तारी

ईडी ने कहा कि जांच के दौरान जुटाए गए डिजिटल साक्ष्य, बैंकिंग लेन-देन और PMLA के तहत दर्ज बयानों से चेतन बोरघरिया की अपराध से अर्जित रकम से जुड़े कार्यों में कथित संलिप्तता सामने आई है।

भारत-जापान के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव को शिक्षा और तकनीक दे रहे नया विस्तार : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

एनआईटी रायपुर के स्टार्टअप और तकनीकी नवाचारों से प्रभावित हुए जापानी विद्यार्थी

रायपुर (दिव्य आकाश)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जापान की एहिमे यूनिवर्सिटी से आए 17 सदस्यीय छात्र प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। भारत-जापान इंटर एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतर्गत तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर छत्तीसगढ़ पहुंचे विद्यार्थियों से मुख्यमंत्री श्री साय ने आत्मीय संवाद किया। इस दौरान भारत और जापान के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संबंधों, बौद्ध विरासत, शिक्षा, अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, स्टार्टअप तथा दोनों देशों के युवाओं के बीच बढ़ते संवाद सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जापानी छात्र-छात्राओं का छत्तीसगढ़ की धरती पर आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि भारत और जापान की मित्रता की जड़ें दोनों देशों की प्राचीन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत में गहराई से जुड़ी हुई हैं। समय के साथ यह संबंध संस्कृति और आध्यात्मिकता से आगे बढ़कर शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, नवाचार और आर्थिक सहयोग के अनेक



क्षेत्रों तक विस्तृत हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और जापान आज परंपरा और आधुनिकता के सुंदर समन्वय के साथ विश्व के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास और सम्मान की मजबूत नींव है। युवाओं तथा विद्यार्थियों के बीच इस प्रकार के शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान से यह संबंध आने वाली पीढ़ियों में और अधिक मजबूत होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत भगवान बुद्ध की भूमि है। भगवान बुद्ध के शांति, करुणा, मैत्री और मानव कल्याण के संदेश ने दुनिया के अनेक देशों को

प्रभावित किया और जापान की संस्कृति में भी बौद्ध दर्शन की गहरी छाप दिखाई देती है। यही साझा आध्यात्मिक विरासत भारत और जापान को एक विशिष्ट सांस्कृतिक सूत्र में जोड़ती है। उन्होंने जापानी विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध पुरातात्विक विरासत की जानकारी देते हुए सिरपुर, मैनपाट और भोंगापाल जैसे महत्वपूर्ण स्थलों का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महानदी के तट पर स्थित सिरपुर छत्तीसगढ़ की प्राचीन सभ्यता, कला, स्थापत्य और बौद्ध विरासत का अद्भुत केंद्र है। यहां प्राप्त पुरातात्विक अवशेष प्रदेश के गौरवशाली इतिहास और विभिन्न

मुख्यमंत्री ने साझा किए जापान यात्रा के अनुभव

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपनी जापान यात्रा से जुड़े अनुभव भी विद्यार्थियों के साथ साझा किए। उन्होंने जापान की अनुशासित कार्यसंस्कृति, तकनीकी प्रगति और अपनी परंपराओं के प्रति सम्मान की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान ने आधुनिक विज्ञान और तकनीक में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए अपनी सांस्कृतिक पहचान को जिस प्रकार सहेजकर रखा है, वह प्रेरणादायी है।

उन्होंने कहा कि भारत भी अपनी हजारों वर्ष पुरानी सभ्यता और सांस्कृतिक मूल्यों को साथ लेकर आधुनिक तकनीक, नवाचार और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में भारत और जापान के युवाओं के बीच बढ़ता संवाद दोनों देशों के भविष्य के संबंधों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संस्कृतियों के समन्वय की कहानी बताते हैं।

एसईसीएल खदान में गार्ड को पीटकर कॉपर केबल लूटी:बाउंड्रीवाल फांदकर खदान में घुसे 10-15 बदमाश, 10 आरोपी पकड़े गए, 3 अभी भी फरार

बांकीमोंगरा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले के बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र में एसईसीएल की सुराकछर 04 नंबर खदान में आधी रात हुई लूट का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। बदमाशों ने गार्ड की पिटाई कर 55 हजार रुपए की कॉपर केबल लूटी थी। इस मामले में पुलिस ने गिरोह के 10 सदस्यों को पकड़ा है, जबकि 3 आरोपी अभी भी फरार हैं।

पीड़ित गार्ड ने पुलिस को बताया कि 13 और 14 सितंबर की रात 10 से 15 अज्ञात बदमाश खदान की बाउंड्रीवाल फांदकर अंदर घुस आए थे। आरोपियों ने इयूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड को घेर लिया। उन्होंने गार्ड को गाली-



गलोंज की, जान से मारने की धमकी दी और हाथ-झांपड़ से मारपीट भी की। चालू लाइन की कॉपर केबल काट ले गए

इसके बाद बदमाश सुराकछर 04 नंबर खदान में घुसे। वहां से चालू लाइन की 30 से 40 मीटर कॉपर केबल काटकर ले गए।

आत्मानंद स्कूल का गेट गिरा, बच्चे की मौत

बलौदाबाजार, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में शनिवार को स्वामी आत्मानंद स्कूल का मेन गेट गिर गया, जिसकी चपेट में आने से 8 साल के बच्चे की मौत हो गई। वह तीज पर अपनी मां के साथ मामा घर आया था। स्कूल के पास खेलेते समय यह हादसा हुआ। घटना हथबंद थाना क्षेत्र की है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्कूल का लोहे का मेन गेट जिस कंक्रीट कॉलम के सहारे लगा था, उसकी स्थिति पिछले 3 महीनों से खराब थी। कॉलम ऊपर और नीचे दोनों तरफ से कमजोर व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

एसडीएम बोले- जांच के बाद होगी कार्रवाई

एसडीएम अतुल शेते ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही उन्होंने मौके का मुआयना किया। पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट कलेक्टर को भेजी जाएगी। उन्होंने टीआई को जांच के बाद वैधानिक धाराओं में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

था। यह भी आरोप है कि जर्जर कॉलम की जानकारी होने के बावजूद स्कूल प्रबंधन ने समय पर इसकी मरम्मत नहीं कराई। मेटेनेंस में बरती गई इसी लापरवाही की वजह से बच्चे को अपनी जान गंवानी पड़ी।

लिंग के जरिए कई अन्य लोगों को भी इस गतिविधि से जोड़ चुका है।

दूसरे राज्य से कनेक्शन की भी जांच पुलिस ने बताया कि पूछताछ में नेटवर्क के दूसरे राज्य से जुड़े होने के संकेत मिले हैं। इस कनेक्शन की तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गहन जांच की जा रही है।

सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 7 और BNS की धारा 112(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

पुलिस की अपील

जांजगीर-चांपा पुलिस ने लोगों से अपील की है कि ऑनलाइन सट्टा, जुआ या ऐप आधारित वित्तीय धोखाधड़ी के किसी भी लालच में न आएँ। संदिग्ध APK फाइल डाउनलोड करने और अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें। पुलिस ने कहा कि ऐसे अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कोरबा पुलिस ने 64 बदमाशों को बुलाकर दी सख्त चेतावनी

सुधर जाओ नहीं तो सुधार दिए जाओग

105 पर कार्रवाई, 50 को भेजा जेल

कोरबा (दिव्य आकाश)।

गणेश चतुर्थी और आने वाले त्योहारों को देखते हुए कोरबा पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने शहरी क्षेत्र के कोतवाली, सिविल लाइन, मानिकपुर चौकी, सीएसईबी चौकी और बालको क्षेत्र के अपराधियों, गुंडा निगरानी बदमाशों और आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को थाने बुलाया।

कोतवाली थाना परिसर में 64 निगरानी बदमाशों और गुंडों को बुलाया गया। पुलिस ने उन्हें साफ चेतावनी दी कि त्योहारों के दौरान किसी भी तरह की गुंडागर्दी, दादागिरी या अशांति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस ने कहा, 'सुधर जाओ नहीं तो सुधार दिए जाओगे।' जो बदमाश नहीं आए, उन्हें थाने आकर हाजिरी लगाने को कहा गया है।

गणेश उत्सव को लेकर पुलिस अलर्ट

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर पूरे जिले में एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसका मकसद गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण माहौल में कराना और जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। इसके लिए असामाजिक तत्वों, पुराने बदमाशों, फरार आरोपियों और लंबित अपराधों के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई तेज की गई है।



एक ही दिन में 105 लोगों पर कार्रवाई इस अभियान के तहत एक ही दिन में 105 लोगों पर कार्रवाई की गई। इनमें से 50 गिरफ्तारी वारंट तामील कर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। 10 स्थायी वारंट तामील कर लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों को भी पकड़ा गया। इसके अलावा, 43 लंबित अपराधों के आरोपियों पर कानूनी कार्रवाई की गई और 2 आरोपियों पर प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई हुई।

कोरबा पुलिस ने बताया कि गणेश उत्सव के दौरान शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। असामाजिक तत्वों और पुराने बदमाशों पर लगातार नजर रखी जा रही है। फरार आरोपियों, वारंटियों और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे गणेश उत्सव शांतिपूर्ण और अच्छे माहौल में मनाएं। साथ ही, कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

जांजगीर-चांपा में ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क पकड़ाया

जांजगीर-चांपा (दिव्य आकाश)।

जांजगीर-चांपा में साइबर थाना पुलिस ने BDG ऑनलाइन सट्टा ऐप के जरिए सट्टा चलाने वाले 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन से सट्टा ऐप की आईडी, स्क्रीनशॉट, WhatsApp चैट और दूसरे डिजिटल सबूत जब्त किए हैं।

जांच में USDT के जरिए पैसों के लेनदेन के प्रमाण भी मिले हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के खातों में 30 लाख रुपए से ज्यादा का लेनदेन मिला है। पुलिस को साइबर जागृति अभियान के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी। जानकारी मिली कि न्यू चंदनियापारा लिंक रोड का रहने वाला हेमलाल यादव मोबाइल से ऑनलाइन सट्टा चला रहा है। इस सूचना पर साइबर थाना पुलिस ने गवाहों के सामने रेड की कार्रवाई की। हेमलाल यादव से पूछताछ में BDG ऑनलाइन सट्टा गेम और इससे जुड़े बड़े



नेटवर्क के बारे में पता चला। हेमलाल ने बताया कि उसे सट्टा खेलने की आईडी शैलेंद्र कुमार शर्मा ने दी थी। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी सबूतों और हेमलाल की जानकारी के आधार पर शैलेंद्र कुमार शर्मा को पकड़ा। शैलेंद्र ने बताया कि वह BDG ऑनलाइन सट्टा ऐप की मास्टर आईडी और लिंक व्हाट्सएप के जरिए दूसरे लोगों तक पहुंचाता था।

पुलिस के मुताबिक, इस नेटवर्क में नए लोगों को लिंक से जोड़ने पर कमीशन मिलता था। जब कोई नया व्यक्ति सट्टे में पैसा लगाता था, तो ऊपर के एडमिन को भी कमीशन मिलता था।



मुख्यमंत्री निवास में विराजे भगवान श्रीगणेश

रायपुर (दिव्य आकाश)।

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने परिवारजनों के साथ पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाज से विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्री गणेश बुद्धि, और विवेक के प्रतीक हैं। किसी भी शुभ कार्य का प्रारंभ भगवान गणेश की आराधना से

करने की हमारी प्राचीन परंपरा रही है। गणेशोत्सव हमारी आस्था का पर्व होने के साथ ही समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और एकजुटता को सुदृढ़ करने वाला उत्सव भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में तीज-त्योहारों और उत्सवों का विशेष महत्व है। हमारे पर्व हमें अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ परिवार और समाज को भी एक सूत्र में पिरोते हैं। गणेशोत्सव का उल्लास भी हमें सामूहिकता, सद्भाव और लोकमंगल की भावना से जोड़ता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के परिवारजन, मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. धीरेंद्र तिवारी, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी आलोक सिंह तथा मुख्यमंत्री निवास कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

साल का गौरव सिंह कंवर उर्फ मोन्टी, 19 साल का सुमित कुमार और 18 साल का सुनील कुमार कंवर उर्फ रिंकु शामिल हैं। इनके साथ 7 नाबालिग आरोपी भी पकड़े गए हैं।

उनकी निशानदेही पर लूटी गई 50 मीटर केबल और वारदात में इस्तेमाल किए गए 7 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

बांकीमोंगरा थाना प्रभारी सत्यम साहू ने बताया कि शिकायत के बाद मामले को गंभीरता से लिया गया। जांच शुरू की गई और आरोपी पकड़े गए। फरार आरोपियों की तलाश जारी है। खदान में लंबे समय से चोर गिरोह सक्रिय होने की बात सामने आ रही है, जिस पर अब पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में निकला 5 फीट का सांप

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा के जिला अस्पताल परिसर स्थित पोस्टमार्टम हाउस के पास सोमवार को हड़कंप मच गया। बाढ़ चले रहे निर्माण कार्य के दौरान करीब 5 फीट लंबा भारतीय काला नाग (कोबरा) निकल आया। सांप को देखते ही वहां मौजूद कर्मचारी डर गए और काम छोड़कर दूर भाग गए।

लोगों ने बताया कि सांप अचानक निर्माण स्थल पर बने एक गड्ढे के पानी के अंदर जाकर बैठ गया था। पानी में होने के कारण उसे देखना और पकड़ना काफी मुश्किल हो रहा था। कर्मचारियों ने तुरंत सुपरवाइजर देव यादव को इसकी जानकारी दी।

रेस्क्यू टीम ने सांप को सुरक्षित निकाला

लोगों की सुरक्षा के लिए सुपरवाइजर देव यादव ने वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम प्रमुख और वन विभाग सदस्य जितेंद्र सारथी को फोन किया। सूचना मिलते ही जितेंद्र सारथी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सावधानी से रेस्क्यू शुरू किया।

पानी के अंदर बैठे कोबरा को निकालना आसान नहीं था। जितेंद्र सारथी ने अपने अनुभव और सूझबूझ से सांप और आसपास मौजूद लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए उसे धीरे-धीरे सुरक्षित बाहर निकाला। करीब आधे घंटे की कोशिश के बाद 5 फीट लंबे काले नाग को पकड़कर थैले में रखा गया।

रेस्क्यू के बाद कर्मचारियों ने ली राहत की सांस

रेस्क्यू पूरा होते ही कर्मचारियों और वहां मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। बाद में नाग को उसके प्राकृतिक रहवास घने जंगल में छोड़ दिया गया।

जितेंद्र सारथी ने कहा कि सांप हमारे पर्यावरण का अहम हिस्सा हैं और प्रकृति का संतुलन बनाए रखने में जरूरी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी सांप के दिखाई देने पर उसे मारने या खुद पकड़ने की कोशिश न करें। सुरक्षित दूरी बनाए रखें और तुरंत वन विभाग या रेस्क्यू टीम को सूचना दें। सही जानकारी से इंसान और जानवर दोनों की जान बच सकती है।



चोटिया एनएच पर हाथी ने वीडियो बनाते लोगों को दौड़ाया: कोरबा के केंद्रीय रेंज में गजराज को देखने जुटी भीड़,सेलफी लेने वालों के पीछे दौड़ा



सोमवार भाद्रपक्ष चतुर्थी को जगह-जगह विराजे विघ्नहर्ता...

भारत रत्न सर मोक्षगुंडम् विश्वेश्वरैय्या जी जयंती (15 सितम्बर) अभियंता दिवस पर हार्दिक बधाई

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 11 से 17 सितम्बर 2026

— सुविचार —

गजाननं भूत गणादि सेवितं,
कपिथ जम्बू फल चारू भक्षणम् ।
उमासुतं शोक विनाशकारकम्,
नमामि विघ्नेश्वर पाद पंकजम् ॥

बालको ने 'वरदान' अपार्टमेंट का किया उद्घाटन, युवा कर्मचारियों को मिला नया आवास



'वरदान' अपार्टमेंट को बालको के युवा कर्मचारियों की आवासीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। 'वरदान' नाम शुभता और समृद्धि का प्रतीक है। इसी भावना के साथ इस आवासीय परिसर को आधुनिक जीवनशैली और बेहतर सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। जी+9 संरचना वाले 'वरदान' अपार्टमेंट में कुल 172 सुसज्जित आवास हैं। प्रत्येक आवास को वन बीएचके स्टूडियो अपार्टमेंट की अवधारणा पर तैयार किया गया है, जो खास तौर पर युवा कर्मचारियों की जरूरतों

को ध्यान में रखता है। प्रत्येक आवास में मॉड्यूलर किचन, टेलीविजन, फर्निशड अलमारी, सोफा-कम-बेड तथा फ्रिज और वॉशिंग मशीन जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन सुविधाओं से कर्मचारियों को अपने नए घर में आराम और सुविधा के साथ रहने में मदद मिलेगी। परिसर में तीन लिफ्ट, आधुनिक कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण की व्यवस्था, सुरक्षित वातावरण और लगभग 35,000 वर्गफुट का हरित एवं मनोरंजन क्षेत्र विकसित किया गया है। इसके अलावा

बालकोनगर (दिव्य आकाश) ।

वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने कर्मचारी कल्याण और टाउनशिप विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'वरदान' अपार्टमेंट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश कुमार सिंह और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में युवा कर्मचारियों को उनके नए आवास की चाबियां सौंपी गईं।

कैफेटेरिया-कम-डाइनिंग स्पेस और बैंकवेट हॉल जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। ये सुविधाएं कर्मचारियों को साथ-साथ एक साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध कराएंगी।

'वरदान' अपार्टमेंट में पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखा गया है। परिसर में 50 किलोवाट सौर ऊर्जा उत्पादन की व्यवस्था की गई है। यह बालको और वेदांता समूह के स्थायित्व लक्ष्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जल संरक्षण के लिए 80 किलोलिटर प्रतिदिन (80 हजार लीटर)



कर्मचारियों के जीवन गुणवत्ता को बेहतर बनाएगा वरदान

'वरदान' अपार्टमेंट केवल रहने की जगह नहीं है, बल्कि यह बालको की कर्मचारी-केंद्रित सोच का हिस्सा है। इसका उद्देश्य कर्मचारियों को काम के साथ-साथ बेहतर जीवन के लिए भी सुविधाजनक और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। आधुनिक सुविधाओं से तैयार यह परिसर कर्मचारियों को बेहतर जीवन, आपसी जुड़ाव और नई शुरुआत का अवसर प्रदान करता है। यह पहल बालको की कर्मचारी कल्याण और टाउनशिप में जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

क्षमता वाला सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और तीन वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनाई गई हैं। इन व्यवस्थाओं से पानी के बेहतर उपयोग और संरक्षण में मदद मिलेगी।

ब्रिक्स में भारत का डंका: अमेरिकी विश्लेषक ने माना- मोदी सरकार ने बिखरे देशों को एकजुट किया

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी।

अमेरिका के एक विश्लेषक ने कहा है कि भारत ने 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की सफलतापूर्वक मेजबानी की और पहले दिन जारी व्यापक साझा घोषणा ने अलग-अलग विचार रखने वाले देशों के बीच सहमति बनाने की क्षमता को प्रदर्शित किया। 'अटलांटिक काउंसिल' में दक्षिण एशिया मामलों के वरिष्ठ फेलो माइकल कुगेलमैन ने कहा कि यह घोषणा भारत के शिखर सम्मेलन आयोजित करने की क्षमता और ब्रिक्स समूह की बढ़ती स्वीकार्यता, दोनों को दर्शाती है। ब्रिक्स का वार्षिक शिखर सम्मेलन 12 से 13 सितंबर तक नयी दिल्ली में भारत की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। ब्रिक्स 11 प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है, जो दुनिया की करीब 49.5 प्रतिशत आबादी और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के 40 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है।

ब्रिक्स देशों ने शनिवार को आम सहमति से नयी दिल्ली घोषणापत्र 2026 को अंगीकार किया। इस शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग समेत कई वैश्विक नेताओं ने हिस्सा लिया। घोषणापत्र में एकतरफा शुल्क और गैर-शुल्क उपायों में बढ़ोतरी पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा गया कि इस तरह के कदम वैश्विक व्यापार को प्रभावित करते हैं और विश्व व्यापार संगठन (WTO) के नियमों का उल्लंघन करते हैं। इसमें आतंकवाद, संघर्ष की रोकथाम और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर भी जोर दिया गया। घोषणापत्र को लेकर हुई वार्ताओं के दौरान पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मतभेदों को दूर करने के लिए भारत ने अहम भूमिका निभाई।

कुगेलमैन ने रविवार को 'पीटीआई वीडियो' से कहा, 'मेरा मानना है कि हम भारत की मेजबानी की भूमिका को सफल मान सकते हैं। यह तथ्य कि पहले ही दिन एक व्यापक साझा घोषणापत्र जारी किया गया, यह दर्शाता है कि भारत अलग-अलग विचार रखने वाले देशों के समूह के साथ काम करने और आम सहमति बनाने में कामयाब रहा।'

कुगेलमैन ने भारत की बढ़ती वैश्विक अहमियत की सराहना करते हुए कहा, 'ब्रिक्स के लिए अच्छी बात यह है कि यह आम सहमति के आधार पर काम करता है, ना कि पूर्ण सर्वसम्मति के आधार पर। किसी कदम पर आगे बढ़ने के लिए सहमति रखने वाले देशों का एक महत्वपूर्ण समूह होना जरूरी है और भारत स्पष्ट रूप से इस स्थिति तक पहुंचने में सफल रहा।' यह पूछे जाने पर कि अमेरिका इस शिखर सम्मेलन को किस नजरिए से देखता है, कुगेलमैन ने कहा कि अमेरिका में अक्सर ब्रिक्स को गलत तरीके से समझा और पेश किया जाता है। उन्होंने कहा, 'एक धारणा यह है कि यह अप्रासंगिक है, यह केवल बातचीत का मंच है। दूसरी धारणा यह है कि यह पश्चिमी देशों का मुकाबला करने के लिए बना है। ये दोनों ही बातें गलत हैं।' कुगेलमैन ने कहा कि उन्हें डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से किसी कड़ी सार्वजनिक प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं है, क्योंकि घोषणापत्र में अमेरिका का विशेष रूप से नाम नहीं लिया गया है।

69 की उम्र में जिंदगी से जंग लड़ रही एक्ट्रेस नफीसा अली

मुंबई। दिग्गज एक्ट्रेस नफीसा अली ने हाल ही में अपनी सेहत से जुड़ी जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर की। उन्होंने बताया कि उनके ओवेरियन और पेरिटोनियल कैंसर बढ़ गया है।



लाल सागर में हूतियों ने हनीश द्वीपों पर भी किया कब्जा, सऊदी तेल पर मंडराया बड़ा खतरा

तेल अवीव, एजेंसी।

यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने दक्षिणी लाल सागर में रणनीतिक रूप से अहम कुछ और द्वीपों पर कब्जा कर लिया है, जिससे इस प्रमुख समुद्री व्यापार मार्ग पर उनकी पकड़ और मजबूत हो गई है। यमन सरकार एवं हूती अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। 'ग्रेटर हनीश' और 'लेसर हनीश' द्वीपों पर यह कब्जा ऐसे समय हुआ है जब बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास हूतियों के तेजी से आगे बढ़ने के बाद, सऊदी अरब समर्थित सरकारी बल सप्ताहांत में फिर से



संगठित होकर जवाबी कार्रवाई की कोशिश कर रहे थे। बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य, होर्मुज जलडमरूमध्य का एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक समुद्री मार्ग है। हूतियों द्वारा और द्वीपों पर कब्जा किए जाने से सऊदी अरब के कच्चे तेल की खेप को निशाना बनाने की विद्रोहियों की क्षमता और बढ़ गई है। सऊदी अरब होर्मुज जलडमरूमध्य की

जगह लाल सागर के रास्ते कच्चा तेल भेज रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान जहाजों पर हमले कर रहा है। सऊदी अरब के तेल बुनियादी ढांचे और लाल सागर में उसके जहाजों पर हूती हमलों के कारण, वैश्विक तेल आपूर्ति और कीमतों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इससे अमेरिका के साथ युद्ध में ईरान को बढ़त मिल सकती है। दो सरकारी अधिकारियों और एक हूती अधिकारी के अनुसार, सरकार समर्थक सैनिकों के द्वीपसमूह से हटने के बाद विद्रोहियों ने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से 160 किलोमीटर उत्तर में स्थित हनीश द्वीपों पर अपने लड़ाकों को तैनात कर दिया।

सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैय्या जी की जयंती 15 सितंबर अभियंता दिवस पर प्रदेश के समस्त अभियंताओं को हार्दिक शुभकामनाएं...



अभियंता दिवस

नवाचार, समर्पण और समाज की प्रगति में इंजीनियरों के अमूल्य योगदान का उत्सव है'.

इंजी. एचपी टोंडे

अनुविभागीय अधिकारी

जल संसाधन

उप संभाग पाली, जिला-कोरबा

समस्त जिलेवासियों को अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...



आधुनिक भारत के निर्माता

श्रेष्ठ अभियंता एवं

भारत रत्न से सम्मानित

डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैय्या

की जयंती पर उन्हें सादर नमन ...



इंजी. ए.पी. शुक्ला

कार्यपालन अभियंता

नगर पालिक निगम कोरबा, जिला-कोरबा

चिंतन

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत की कूटनीतिक सफलता

भारत की राजधानी नई दिल्ली के भारत मण्डपम् में आयोजित दो दिवसीय 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत की कूटनीतिक सफलता ने दुश्मन देशों को चिंता में डाल दिया है। मोदी की अध्यक्षता में सभी 11 सदस्य देशों ने सामूहिक घोषणा पत्र जारी किया, जिसमें एक साथ आतंकवाद के खिलाफ लड़ने का ऐलान किया और पहलगाम हमले की निंदा की। एक तरफा टैरिफ का विरोध किया गया। दुनिया की तीन महाशक्तियों रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग तथा भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक साथ दिखे और दुनिया की ताकत के तीन कोणों ने एक साथ हाथ मिलाकर दुनिया को नया संदेश दिया। तीनों कोणों ने बिना नाम लिए दुनिया को संदेश दिया कि हम एक तरफा टैरिफ स्वीकार नहीं करेंगे, आतंकवाद के खिलाफ हम एक हैं। सभी 11 सदस्यों ने 45 पृष्ठ में 150 बिन्दुओं पर सामूहिक घोषणा पत्र जारी किया और किसी देश का नाम या विरोध किए बिना अमेरिका और पश्चिम देशों को ग्लोबल साऊथ के देशों की ओर से संदेश दिया गया कि वैश्विक मसलों और संस्थाओं में उनकी भूमिका बढ़े और मनमाफिक टैरिफ पर लगाम लगे तथा संवाद व कूटनीति से संघर्ष समाप्त किए जाएं। मोदी ने साफ संदेश दिया कि ब्रिक्स किसी के खिलाफ नहीं बल्कि परस्पर सहयोग का मंच है और इस मंच के माध्यम से दुनिया को संदेश दिया कि शांति से ही सबका भला है और चल रहे संघर्षों को संवाद के माध्यम से खत्म किया जाए। मोदी-जिनपिंग संवाद भी सार्थक रहा और ग्वांगझू-नई दिल्ली उड़ान को फिर से प्रारंभ करने की बात पर सहमति बनी। 21 सितम्बर से यह उड़ान प्रारंभ हो जाएगी। दोनों ने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक नजरिए से आगे बढ़ाने पर जोर दिया। दोनों ने स्वीकार किया कि मतभेद विवाद में नहीं बदलना चाहिए और दोनों देशों के बीच सीमा पर शांति बहाल कायम हो। जिनपिंग ने कहा कि चीन और भारत एक-दूसरे की ताकत से सिख सकते हैं और साझा विकास हासिल कर सकते हैं। मोदी की इसे कूटनीतिक सफलता कही जा सकती है।

-संपादक

समसामयिक:काक्रोचों (जेन-जी) ने भाजपा-कांग्रेस को दे दिया बड़ा मुद्दा विपक्ष के हर मुद्दे की काट खोज लेते हैं मोदी



राहुल गांधी बार-बार कहते फिरते हैं कि मोदी, राहुल से डर गए हैं, लेकिन मोदी देश का नेतृत्व 12 साल से यूं ही नहीं कर रहे हैं। कुछ तो बात होगी, मोदी में। आज देश की जनता मोदी के एक-एक शब्द पर विश्वास क्यों करती है? इस पर राहुल गांधी सहित पूरे विपक्ष को चिंतन करने की आवश्यकता है। आज कुछ माह से देश में काक्रोचों की ही बातें हो रही हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर से लेकर संसद तक इनका माचं सरकार को सोचने पर मजबूर कर दिया। काक्रोचों ने अपना पहला आंदोलन ऐसा सटीक मुद्दे को लेकर किया, जिसमें जेन-जी की बड़ी संख्या में सहभागिता ने काक्रोचों के आंदोलन को सफल ही नहीं बनाया, जेन-जी ने सरकार को सोचने पर मजबूर कर दिया और काक्रोचों के सामने सरकार को झुकना पड़ा। पहले शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देने मजबूर कर दिया, इतना ही नहीं काक्रोचों पर हुई एफआईआर को भी रद्द कराने में काक्रोच सफल हो गए। मोदी के कार्यकाल में ऐसा



पहली बार हो रहा है, जिसमें जेन-जी ने अपनी ताकत दिखाई और मोदी जैसी सरकार को झुकने पर मजबूर कर दिया।

काक्रोचों के इस आंदोलन ने देश में एक नई चर्चा की शुरुआत कर दी। दिल्ली के बाद झारखंड सहित कुछ अन्य प्रदेशों में भी जेन-जी ने अपनी ताकत दिखा दी। अब पूरे देश में बहस छिड़ गया है कि जेन-जी के बिना सरकार का गठन मुश्किल है। पहले मुद्दे को राहुल गांधी ने लपका और कई प्रदेशों में जाकर छात्रों की गूंज अभियान के तहत युवा संवाद के जरिए युवाओं को साधने में लग गए।

मोदी (भाजपा) कहां पीछे रहने वाले... मोदी ने राहुल के छात्रों की गूंज के सामानांतर युवा संवाद अभियान का श्रीगणेश कर दिया। भाजपा के धुरंधरों, प्रदेश के मंत्रियों सहित प्रशासन को भी युवा संवाद कार्यक्रम में लगा दिया, ताकि काक्रोचों द्वारा तैयार किया गया एन्टीकॅबेंसी पर कंट्रोल किया जा सके।



काक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपना पहला और सफल आंदोलन 06 जून 2026 को दिल्ली के जंतर-मंतर से प्रारंभ किया, जिसमें देश के प्रख्यात वैज्ञानिक और समाजसेवी सोनम वांगचूक का समर्थन मिलने के बाद सीजेपी ने युवाओं में ऐसा जोश भरा कि देश भर के जेन-जी जंतर-मंतर पहुंचने लगे। युवाओं में जोश था और पेपर लीक के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग को लेकर जेन-जी आंदोलनरत हुए और सोनम वांगचूक ने आमरण अनशन प्रारंभ कर

दिया। 26 दिन तक जान जोखिम में डालकर वांगचूक युवा बेरोजगारों, कालेजियन स्टूडेंट्स के लिए लड़ते रहे। मोदी सरकार के कान में जूं तक नहीं रंगी, जेन-जी को क्रोध आया और संसद मार्च के लिए देशभर के युवाओं से आह्वान किया। मोदी सरकार को झुकना पड़ा और सरकार ने अपना प्रतिनिधि मंडल स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा और राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह से वार्ता कराई। दोनों मंत्रियों ने काक्रोचों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे पर अड़े रहे और अंततः धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। जेन-जी के आंदोलन शुरू होते ही मोदी सरकार हरकत में आई और नीट पेपर लीक के दोषियों को खोजने ताबड़तोड़ छापा मारा गया और तीन दिन के अंदर ही सभी आरोपी जेल के सलाखों के बीच पहुंचा दिया गया।

आंदोलन में कुछ असामाजिक तत्वों ने दिल्ली सहित बिहार में तोड़फोड़ एवं आगजनी की घटना को अंजाम दे दिया। बच्चों में युवा जोश होता है, लेकिन वे राष्ट्र की

सम्पत्ति को कभी नुकसान नहीं पहुंचा सकते। एन्टी मोदी टीम ने ही देश की सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया। सभी आंदोलनरत जेन-जी के खिलाफ विभिन्न थाना-चौकियों में एफआईआर दर्ज की गई। काक्रोच का गुस्सा थमने को नाम ही नहीं ले रहा था। पेपर लीक के आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, शिक्षामंत्री ने इस्तीफा दिया, लेकिन काक्रोचों के लिए एक नई मांग खड़ी हो गई। काक्रोच फिर संसद मार्च के लिए देश भर के युवाओं को आह्वान किया, लेकिन आंदोलन से पहले मोदी का प्रतिनिधि मंडल सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और सीजेपी आंदोलन में उन युवाओं के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की गुहार लगाई। सुप्रीमकोर्ट ने आदेश दिया कि देशभर में सीजेपी के उन कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर रद्द की जाती है, जिनके खिलाफ आंदोलन से पहले किसी भी थाना या चौकी में अपराध पंजीबद्ध न हो।

काक्रोच की जीत हुई, लेकिन सीजेपी के आंदोलन ने देश में नई बहस छोड़ दी और लोकतांत्रिक देश में युवाओं के बिना सत्ता में

आना मुश्किल ही नहीं असंभव है।

राहुल गांधी ने सीजेपी के आंदोलन के बाद मुद्दे को लपक लिया और दिल्ली सहित कई प्रदेशों में छात्रों की गूंज अभियान का श्रीगणेश कर दिया। 16 जून 2026 से राहुल गांधी ने कई यूनिवर्सिटी का दौरा किया और युवाओं को संबोधित किया और युवाओं को साधने में लग गए। मोदी को भी लगा कि सीजेपी द्वारा पैदा की गई एन्टीकॅबेंसी का डैमेज कंट्रोल जरूरी है और उन्होंने देशभर में युवा संवाद अभियान का श्रीगणेश कर दिया। उन्होंने भाजपा के केन्द्रीय मंत्रियों सहित भाजपा शासित राज्यों के मंत्रियों, भाजपा के धुरंधर नेताओं सहित प्रशासन को भी युवा संवाद कार्यक्रम में जोड़ दिया, ताकि काक्रोच द्वारा पैदा किया गया युवा संगठन विपक्ष के खेमे में न चला जाए। मोदी ने स्वयं बड़ोदरा में महाराजा सयाजी राव यूनिवर्सिटी कैम्पस में रैम्पवॉक किया और 06 हजार से अधिक जेन-जी से संवाद किया। भाजपा का यह अभियान महीनों चलने वाला है।

इति...

दो दिवसीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मोदी की कुटनीतिक सफलता से भारत की दमदार उपस्थिति

आतंक के खिलाफ तीन महाशक्तियां एक साथ:एक तरफा टैरिफ नामंजूर

BRICS New Delhi Declaration चार स्तंभों के जरिए Global South की आवाज बनेगा भारत

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के पहले दिन पहले चरण की मीटिंग खत्म होने के बाद सभी देशों ने भारत का समर्थन करते हुए आतंकवाद के खिलाफ एक साथ लड़ने और पहलगाम हमले की निंदा की। दुनिया के तीन ताकत एक साथ खड़े दिखाई दिए। भारत की राजधानी नई दिल्ली के भारत मण्डपम् में आयोजित दो दिवसीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल कूटनीतिक औपचारिकताओं का मंच नहीं था, बल्कि 'नई दिल्ली डिक्लोरेशन' के तहत आर्थिक निर्भरता घटाने, नई तकनीक अपनाने और पर्यावरण लक्ष्यों के साथ विकास को साधने की एक मजबूत साझा रणनीति थी।

रेंजिलिएंस: आर्थिक कमज़ोरियों को कम करना

पहला स्तंभ, यानी लचीलापन, उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को बाहरी झटकों के प्रति कम संवेदनशील बनाने पर केंद्रित रहा। इसका मकसद अमेरिकी डॉलर को बदलना या रातों-रात वैश्विक वित्तीय प्रणाली में बदलाव लाना नहीं है। इसके बजाय, इसका ध्यान मजबूत



सफ्टाई चैन, स्थानीय मुद्दाओं के व्यापक इस्तेमाल और ज्यादा विविध वित्तीय व व्यापारिक विकल्पों के जरिए अधिक लचीलापन लाने पर था। ब्रिक्स देशों के लिए, यह दृष्टिकोण वैश्विक व्यापार, वित्त और सफ्टाई चैन में आने वाली रुकावटों के असर को कम करने में मदद कर सकता है। यह उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के बीच बाहरी आर्थिक दबावों से निपटने के लिए अधिक विकल्प रखने की व्यापक कोशिश को भी दर्शाता है।

इनोवेशन : तकनीकी क्षमताएं बढ़ाना

दूसरा स्तंभ इनोवेशन (नवाचार) है, एक ऐसा क्षेत्र जिसका रणनीतिक महत्व लगातार बढ़ रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, अहम तकनीकें और कौशल, आर्थिक विकास और राष्ट्रीय ताकत, दोनों से ही गहराई से जुड़ते जा रहे हैं। इन क्षेत्रों में ब्रिक्स सहयोग का मकसद सदस्य

देशों के बीच तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करना है। इस संदर्भ में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ भारत का अनुभव भी अहम हो जाता है। देश के डिजिटल सिस्टम और प्लेटफॉर्म, अन्य विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के साथ उसके जुड़ाव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर उभरे हैं। इसलिए, इनोवेशन का स्तंभ नई तकनीकों को बढ़ावा देने से कहीं आगे जाता है। यह उन क्षमताओं और कौशलों को विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है जिनकी उभरती अर्थव्यवस्थाओं को तकनीक-संचालित वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यकता होती है।

कोऑपेरेशन : ग्लोबल साउथ के लिए एक मजबूत आवाज

जैसे-जैसे ब्रिक्स का विस्तार हो रहा है, सहयोग का तीसरा स्तंभ और भी महत्वपूर्ण होता जा रहा है। ज्यादा सदस्यों के साथ, इस

समूह का आधार उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के मामले में और व्यापक हो गया है। सहयोग इन देशों को अपने रुख में तालमेल बिठाने और वैश्विक संस्थाओं में ज्यादा प्रतिनिधित्व की मांग करने के लिए एक मंच प्रदान कर सकता है। कई विकासशील देश लंबे समय से यह तर्क देते रहे हैं, कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं मौजूदा दुनिया की आर्थिक और राजनीतिक वास्तविकताओं को पूरी तरह से नहीं दर्शाती हैं। ब्रिक्स का दृष्टिकोण ग्लोबल साउथ को वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक शासन को आकार देने वाली चर्चाओं में ज्यादा मजबूत आवाज देने का प्रयास करता है।

सस्टेनेबिलिटी : विकास और जलवायु के लिए मिलकर काम करना

चौथा स्तंभ है सस्टेनेबिलिटी (टिकाऊपन), जो आर्थिक विकास और जलवायु से जुड़े कामों के बीच के संबंध पर ध्यान देता है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए, पर्यावरण के अनुकूल विकास की ओर बढ़ने में फाइनेंसिंग, टेक्नोलॉजी और निष्पक्षता जैसे सवाल भी शामिल हैं। विकास के अलग-अलग चरणों में मौजूद देशों को जलवायु नीतियों को लागू करते समय अलग-अलग चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए, ब्रिक्स का रुख इस बात पर जोर देता है कि जलवायु और सस्टेनेबिलिटी के लक्ष्यों को हासिल करते समय इन अंतरों को ध्यान में रखा जाए। उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए चुनौती यह है कि वे आर्थिक विकास को जारी रखें और साथ ही पर्यावरण और जलवायु से जुड़ी बढ़ती जिम्मेदारियों को भी पूरा करें। एजेंसियों से साभार।



17 सितम्बर:जन्मदिन विशेष

एक संकल्प से शिखर तक की यात्रा

देश में जितने भी महान व्यक्तित्व हुए हैं, उनका जन्म कहीं न कहीं से शुभ नक्षत्र और देवपुरुषों की जयंती से जुड़ा हुआ है। 17 सितम्बर को आदिशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती होती है। 17 सितम्बर को ही देश को सशक्त नेतृत्व देने वाले सक्षम प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर भाई मोदी का भी जन्मदिन है। पूरे भारतवर्ष में भाजपा 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक एक माह तक सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न रचनात्मक कार्यों को अंजाम देगा। प्रथम दिन 17 सितम्बर को संध्या गोधुली बेला में भाजपा कार्यकर्ता देश के कोने-कोने में आशीर्वाद का दीया जलाएंगे। यह शाम ऐतिहासिक होगी और दिवाली की तरह यह शाम भी जगमग होगी।

17 सितम्बर 1950 में गुजरात के वडनगर में दामोदर दास मोदी-हीरा बेन के घर में एक बालक का जन्म हुआ, जो आगे चलकर देश का प्रधानमंत्री बना।

सघर्षों से रहा नाता

नरेन्द्र दामोदर भाई मोदी का प्रधानमंत्री के रूप में जनता ने यूं ही राजतिलक नहीं किया, बल्कि उनका बचपन से लेकर युवा कार्यकाल तक का काल संघर्षों से भरा रहा। रेलवे स्टेशन में चाय बेचने वाले परिवार से निकल कर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक और भाजपा संगठन में बतौर कार्यकर्ता के रूप में मोदी जी ने राजनीति के गुर सीखे और संघर्षों का रास्ता तय करते हुए भाँ भारती की सेवा के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया और आज एक साथ सबसे लम्बे समय तक प्रधानमंत्री बनने वाले प्रथम व्यक्ति बन गए। 2001 से 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने गुजरात माडल देश को दिया, उनके कार्यकाल में गुजरात विकास के नए सोपानों को तय किया और मोदी जी ने गुजरात माडल ऑफ डेवलपमेंट को देश के सामने रखा।

2014 में पहली बार और फिर 2019 तथा 2024 में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर नया इतिहास रच दिया। अब तक के उनके कार्यकाल को सख्त फैसलों वाला कहा जा सकता है। जम्मू-कश्मीर में धारा 370, अनुच्छेद 35ए को हटाना, नोट बंदी, पूरे देश में जीएसटी लागू, पाक के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक करना प्रमुख फैसले थे। उनकी योजनाओं में स्वच्छ भारत मिशन ने देश की तस्वीर ही बदल दी। जनधन, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया से सीधा लाभ जनता को मिला। आज मोदी वैश्विक नेता बन चुके हैं। यूं कहें तो संकल्प से शिखर तक रही उनकी यात्रा।



नृपेंद्र नाथ एसईसीएल निदेशक (तकनीकी) -(योजना/परियोजना) अतिरिक्त प्रभार ने किया पदभार ग्रहण बिलासपुर/कोरबा (दिव्य आकाश)।

सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआई) के निदेशक (तकनीकी) नृपेंद्र नाथ ने साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के निदेशक (तकनीकी) – योजना/परियोजना का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया है। एसईसीएल परिवार ने नई जिम्मेदारी संभालने पर उनका हार्दिक स्वागत करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर उन्होंने एसईसीएल के निदेशक तकनीकी (संचालन) रमेश चंद्र महापात्र से सौजन्य भेंट की। बड़ी संख्या में विभागाध्यक्ष एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

पढ़ें एसईसीएल के निदेशक (तकनीकी) - योजना/परियोजना नृपेंद्र नाथ के बारे में

नृपेंद्र नाथ ने 1988 में आईआईटी (आईएसएम), धनबाद से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के एन.के. क्षेत्र से की और विश्व बैंक सहायता प्राप्त केडीएच परियोजना में लगभग दो दशकों तक महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अपने लंबे कार्यकाल के दौरान उन्होंने ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) की विभिन्न खदानों में परियोजना अधिकारी तथा सीसीएल के मगध-संघमित्रा क्षेत्र के क्षेत्रीय महाप्रबंधक सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। उनके कार्यकाल में मगध-संघमित्रा क्षेत्र ने प्रतिष्ठित 20 मिलियन टन उत्पादन क्लब में स्थान बनाया।

ऑस्ट्रेलिया में प्रशिक्षित सिमटार्स-प्रमाणित प्रशिक्षक के रूप में श्री नाथ ने कोल इंडिया लिमिटेड की विभिन्न अनुषंगी कंपनियों में खान सुरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। खान सुरक्षा प्रबंधन योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

नृपेंद्र नाथ को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी खनन क्षेत्र का अनुभव प्राप्त है। वर्ष 2024 में वे एजीटीएमपी प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में कई यूरोपीय देशों के दौरे पर गए, जहाँ उन्होंने वैश्विक खनन प्रथाओं एवं आधुनिक तकनीकों का अनुभव प्राप्त किया।

वर्तमान में वे सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी) के पद पर कार्यरत हैं और 31 अक्टूबर 2025 को उन्होंने इस पद का कार्यभार ग्रहण किया था। खनन परिचालन, परियोजना क्रियान्वयन, योजना एवं खान सुरक्षा के क्षेत्र में उनको व्यापक अनुभव है।

कोरबा की बेटी कुमारी दुर्गेश का एमबीबीएस में हुआ चयन



कोरबा/कनकी (दिव्य आकाश)।

जिले की होनहार छात्रा दुर्गेश कुमारी राजवाड़े का एमबीबीएस में चयन हुआ है। इस सफलता से माता-पिता, मित्रजन एवं समाज में खुशी की लहर हैं। दुर्गेश बचपन से ही मेधावी छात्रा रही है। इन्होंने दसवीं बोर्ड की परीक्षा केंद्रीय विद्यालय में उत्तीर्ण की है, जिसमें 92.8 प्रतिशत अंक प्राप्त हुआ था तथा 12वीं बोर्ड की परीक्षा केंद्रीय विद्यालय से 95.6% अंक अर्जित कर पूरे जिले एवं समाज को गौरव दिलाई थी। इस बार भी नीट की परीक्षा में

ओवरऑल 66556 रैंक हासिल किया है, जिसमें स्टेट रैंक 509 था। दुर्गेश का चयन स्वर्गीय बिसाहू दास महंत स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय कोरबा में हुआ है। दुर्गेश ने सफलता का श्रेय अपनी माँ चित्ररेखा, पिता जयराम प्रसाद राजवाड़े और गुरुजनों का आशीर्वाद और मार्गदर्शन को दिया है। राजवाड़े आदर्श केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष कृपासिंधू राजवाड़े सहित समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने दुर्गेश को सतत सफलता की शुभकामनाएं दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अविनाश तिवारी बने कोरबा के द्वितीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश

श्रम न्यायाधीश का भी दिया गया अतिरिक्त प्रभार

कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने अविनाश तिवारी को कोरबा का द्वितीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नियुक्त किया है। साथ ही उन्हें श्रम न्यायाधीश का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने उच्च न्यायिक सेवा के न्यायिक अधिकारियों की नई पदस्थापना को लेकर महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। हाई कोर्ट द्वारा जारी आदेश के तहत कोरबा श्रम न्यायालय-II में पदस्थ श्रम न्यायाधीश अविनाश तिवारी को पदोन्नति के बाद कोरबा में द्वितीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के पद पर पदस्थ किया गया है।

हाईकोर्ट से जारी अधिसूचना क्रमांक 837/Confdl./2026, 11 सितंबर के अनुसार श्री तिवारी को नई न्यायिक जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही उन्हें श्रम न्यायाधीश का अतिरिक्त प्रभार भी दिया

गया है।

पदोन्नति के साथ बढ़ी न्यायिक जिम्मेदारी

आदेश के मुताबिक अविनाश तिवारी अपनी नई जिम्मेदारी पदभार ग्रहण करने की तिथि से संभालेंगे। उनकी नई पदस्थापना के बाद कोरबा जिला न्यायालय में जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के रूप में न्यायिक व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है।

हाईकोर्ट द्वारा जारी आदेश पर रजिस्ट्रार जनरल रजनीश श्रीवास्तव के हस्ताक्षर हैं। आदेश में संबंधित न्यायिक अधिकारी को निर्धारित प्रक्रिया के तहत नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

कोरबा न्यायिक व्यवस्था में अहम नियुक्ति

अविनाश तिवारी लंबे समय से न्यायिक सेवा में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। अब उन्हें जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के



रूप में नई जिम्मेदारी मिलने से कोरबा की न्यायिक व्यवस्था में उनकी भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है। साथ ही श्रम न्यायाधीश का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने से श्रम संबंधी मामलों की न्यायिक जिम्मेदारी भी उनके पास रहेगी।

हाईकोर्ट के 11 सितंबर के आदेश के बाद अब अविनाश तिवारी के कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही कोरबा में द्वितीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के रूप में उनकी नई पारी शुरू होगी।

कोरबा की बेटी साक्षी राठौर का छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट पद पर चयन

कोरबा के भाजपा नेता लोचन राठौर की मेधावी बेटी ने हासिल की सफलता, राठौर समाज सहित विभिन्न संगठनों ने दी बधाई

कोरबा/बाराद्वार (दिव्य आकाश)।

कोरबा के भाजपा नेता एवं बाराद्वार नगर से लगे ग्राम दुरपा के मूल निवासी लोचन राठौर एवं श्रीमती पार्वती राठौर की मेधावी बेटी साक्षी राठौर का छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर में जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट (Junior Judicial Assistant) के पद पर चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार सहित क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

साक्षी राठौर की सफलता पर राठौर समाज सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की



शुभकामनाएं दी हैं। बताया गया कि साक्षी प्रारंभ से ही न्यायिक क्षेत्र में

सेवाएं देने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत कर रही थीं। उनकी निरंतर मेहनत, लगन और समर्पण का परिणाम है कि उन्होंने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में महत्वपूर्ण पद हासिल किया।

वर्तमान में राठौर परिवार कोरबा में निवासरत है। अपनी सफलता पर साक्षी राठौर ने इसका श्रेय अपने गुरुजनों, माता-पिता, परिवारजनों एवं मार्गदर्शकों को दिया। उनकी इस उपलब्धि को परिवार और समाज के लिए गौरव का विषय बताते हुए शुभचिंतकों ने कहा कि साक्षी की सफलता क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरणादायी है।

मनोज राठौर बने भाजपा आरटीआई प्रकोष्ठ के जिला संयोजक

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भारतीय जनता पार्टी संगठन ने सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ में महत्वपूर्ण नियुक्ति करते हुए मनोज राठौर को जिला संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी है। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव की सहमति एवं भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी की अनुशंसा से मनोज राठौर को यह महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान किया गया है।

मनोज राठौर की नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। संगठन ने विश्वास जताया है कि वे

सूचना के अधिकार अधिनियम के माध्यम से पारदर्शिता, जवाबदेही एवं जनहित से जुड़े विषयों को प्रभावी ढंग से सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मनोज राठौर ने पार्टी नेतृत्व का

आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का वे पूरी निष्ठा, सक्रियता एवं समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे तथा जनहित और संगठन के उद्देश्यों को प्राथमिकता देते हुए कार्य करेंगे।



शिक्षक भविष्य के शिल्पकार – लॉयन अग्रवाल

नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा में मनाया गया गुरुजन सम्मान समारोह

कोरबा/मड़वारानी (दिव्य आकाश)।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल द्वारा नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा मड़वारानी में शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर गुरुजन सम्मान समारोह का आयोजन पीएमजेएफ लायन डॉ राजकुमार अग्रवाल (पूर्व प्रान्तपाल) के मुख्य आतिथ्य में संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में एमजेएफ लायन पवन अग्रवाल-रीजन चेयरमेन व लायन मनोज गुप्ता-जोन चेयरमेन विशिष्ट आतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लायंस क्लब कोरबा गुरुकुल के अध्यक्ष लायन दर्शन अग्रवाल ने की।

सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती जी एवं डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। तत्पश्चात् विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती शोमा सोनी द्वारा स्वागत उद्बोधन द्वारा अतिथि एवं लायन सदस्यों का स्वागत करते हुये विद्यालय की संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की। इसके बाद छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षक दिवस से संबंधित विभिन्न सास्कृतिक कार्यक्रमों, भाषणों एवं गीतों की प्रस्तुति दी गई, जिसकी सभी ने बहुत प्रशंसा की।

अपने उद्बोधन में क्लब अध्यक्ष लायन दर्शन अग्रवाल ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाईयां प्रेषित करते हुये कहा कि यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हमारे जीवन में गुरु का स्थान कितना ऊँचा है। शिक्षक हमें सदैव आत्मविश्वास दिलाते हैं



और सफलता की ओर बढ़ने की प्रेरणा देते हैं, इसलिए हमें सदैव अपने शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए। इसके बाद रीजन चेयरमेन एमजेएफ लायन पवन अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में बच्चों को जीवन में शिक्षकों के महत्व के बारे में बताते हुये सभी शिक्षकों को सम्मान स्वरूप उपहार भेंट किया गया।



किसी भेदभाव के सभी छात्रों पर समभाव रखते हुये शिक्षा प्रदान करते हैं। हम अपने जीवन में कहीं भी रहें, हमें अपने शिक्षकों का सम्मान सदैव करना चाहिए। उद्बोधन पश्चात् अतिथि एवं लायन सदस्यों द्वारा शिक्षकों को सम्मान स्वरूप उपहार भेंट किया गया।

उक्त समारोह में क्लब सचिव लायन सुरेंद्र कुमार डनसेना, उप प्राचार्या श्रीमती मनोरमा शर्मा, लायन सुभाषचंद्र अनंत सहित समस्त शिक्षक एवं छात्रगण, लायंस कोरबा गुरुकुल के सदस्य उपस्थित थे।

मृत्युंजय, मनीष एवं अभिषेक बने एसडीओ वन

छत्तीसगढ़ वन विभाग में 18 रैंजरों को प्रमोशन, बने सहायक वन संरक्षक

कोरबा/रायपुर (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने 18 वन क्षेत्रपालों को पदोन्नति दी है। इन अधिकारियों को वन क्षेत्रपाल से सहायक वन संरक्षक यानी ACF (Assistant Conservator of Forests) के पद पर प्रमोशन दिया गया है। विभाग ने 7 सितंबर 2026 को इसका आदेश जारी किया।

18 रैंजरों को मिला प्रमोशन

जारी आदेश के अनुसार 18 अधिकारियों की पदोन्नति (CG Forest Department Promotion) की गई है। इनमें विभिन्न वन मंडलों में तैनात वन क्षेत्रपाल शामिल हैं। प्रमोशन के बाद इन्हें सहायक वन संरक्षक के पद पर नियुक्त किया जाएगा।

किन अधिकारियों को मिली पदोन्नति

पदोन्नति पाने वालों में राममूर्ति घघेल, मृत्युंजय शर्मा, जोगेश्वर भट, राजेंद्र कुमार रावत, कुंवर बहादुर सिंह, अभिषेक कुमार दुबे, देव सिंह ठाकुर, निखिल सक्सेना, पुष्पेंद्र चंद्र गोस्वामी, प्रतीक वर्मा, मनीष सिंह, अनुराग वर्मा, ज्योति गुप्ता, तीर्थराज साहू, किशोर कुमार साहू, धीरेंद्र साहू, सौरभ रजक और ऋषि माधुरी सिंह शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में 10 जिलों के डीईओ बदले

करतला बीईओ संदीप पाण्डेय बने बिलासपुर के डीईओ

कोरबा/रायपुर (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रशासनिक आधार पर 13 प्राचार्यों और अधिकारियों का तबादला किया गया है। विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। आदेश के तहत संभागीय संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारी स्तर के अधिकारियों के प्रभार में बदलाव किया गया है।

इस फेरबदल में बिलासपुर और सरगुजा संभाग के प्रभारी उप संचालकों की अदला-बदली की गई है। इसके अलावा बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, सूरजपुर, दुर्ग, मुंगेली, बलौदाबाजार-भाटापारा और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई समेत कई जिलों में डीईओ स्तर पर जिम्मेदारियां बदली गई हैं।

इन अधिकारियों का हुआ तबादला		
नाम	पुराना पद/स्थान	नई जिम्मेदारी
राजेश सिंह	प्रभारी उप संचालक, शिक्षा संभाग बिलासपुर	प्रभारी उप संचालक, शिक्षा संभाग सरगुजा
अश्वनी भारद्वाज	प्रभारी उप संचालक, शिक्षा संभाग सरगुजा	प्रभारी उप संचालक, शिक्षा संभाग बिलासपुर
ए.के. सिन्हा	प्रभारी DEO, जांजगीर-चांपा	प्रभारी DEO, सूरजपुर
मनोहर प्रताप सिंह	प्राचार्य, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल खिसोर, जांजगीर-चांपा	प्रभारी DEO, जांजगीर-चांपा
जगजीत घौर	सहायक संचालक, लोक शिक्षा संचालनालय	प्रभारी DEO, दुर्ग
एल.पी. डहरे	प्रभारी DEO, मुंगेली	सहायक संचालक, शिक्षा संभाग बिलासपुर
डॉ. मोहन लाल घटेल	प्राचार्य, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल राजेंद्र नगर, बिलासपुर	प्रभारी DEO, मुंगेली
राधेश्वर जायसवाल	प्रभारी DEO, बिलासपुर	जिला शिक्षा सहायक, समग्र शिक्षा, जांजगीर-चांपा
अर्पेद कुमार देवांगन	प्राचार्य, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल विचारपुर, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी	प्रभारी DEO, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई
संदीप कुमार पांडे	कार्यालय विकासखंड शिक्षा अतिथि, कोरबा, कोरबा	प्रभारी DEO, बिलासपुर
शिव कुमार गेंदले	प्राचार्य, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल धरमपुरा, मुंगेली	प्रभारी DEO, बलौदाबाजार-भाटापारा
पुरुषोत्तम लाल साहू	प्राचार्य, शासकीय कन्या शिक्षा परिसर चौकी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी	प्रभारी DEO, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी
योगदास साहू	प्रभारी DEO, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी	प्रतिनियुक्ति पर प्राचार्य, झारट खैरागढ़-छुईखदान-गंडई

पीएम मोदी के जन्मदिन पर 51 हजार दीयों से जगमग होगा झण्ड चौक

नरेंद्र मोदी का 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन राष्ट्रसेवा, जनसेवा और समर्पण का प्रतीक – नारायण चंदेल



कोरबा (दिव्य आकाश)। भाजपा जिला कार्यालय कोरबा में आयोजित पत्रकार वार्ता में पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा- पीएम नरेंद्र मोदी के राष्ट्र सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा समूचे देश में एक माह तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी का संपूर्ण सार्वजनिक जीवन राष्ट्र एवं जनसेवा के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने सदैव 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ कार्य किया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नारायण चंदेल ने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' केवल कार्यक्रमों की श्रृंखला नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा भाव, संकल्प और राष्ट्र निर्माण की यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने का व्यापक जन अभियान है। इस अभियान के अंतर्गत 'आशीर्वाद का दिया', 'सपनों का भारत', 'नमो सेवा गाथा', 'सेवा स्मरण', 'आंगन का उत्सव', 'कहानी बदलाव की', 'विकसित भारत संकल्प यात्रा', 'सेवा ज्योति यात्रा', 'वडनगर से वाराणसी', 'जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा' सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

17 सितम्बर से शुरू होगा 'सेवा संकल्प अभियान', कोरबा में व्यापक तैयारियां – गोपाल मोदी

जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से आरंभ हो रहे 'सेवा संकल्प अभियान', जो निरंतर एक माह 17 अक्टूबर तक समूचे देश में चलाया जायेगा इसी के तहत कोरबा जिले में बड़े पैमाने पर इस महा अभियान की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया मोदी के जन्मदिन 17 सितम्बर को झण्डा चौक में 51 हजार आशीर्वाद का दीया जलाए जाएंगे।

पत्रकार वार्ता के दौरान कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन , भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, प्रदेश कार्य समिति सदस्य जगेश लांबा, प्रदेश मंत्री सुश्री रितु चौरसिया जिला महामंत्री संजय शर्मा, अजय विश्वकर्मा, एमआईसी मंत्री नरेंद्र देवांगन, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रीति स्वर्णकार, मंत्री चंचला राठौर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?

एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं



भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA



आज ही बीमा कराएं अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बनाएं

नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।

सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)

कॉर्पोरेट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र

प्रेस क्लब के सामने, रिकार्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा

मो.नं.-90987-52955, 99262-57886



लगन से काम करो, मेहनत से जी ना चुराओ, आराम कड़ी मेहनत के बाद ही अच्छा लगता है।



-सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जी



कोरबा के नवनिर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले जिले के समस्त अभियंताओं को अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं... सभी का अभिनंदन...

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...



अनुविभागीय अधिकारी

लोक निर्माण विभाग

उप संभाग कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

अभियंता दिवस की हार्दिक बधाई...



अनुविभागीय अधिकारी

लोक निर्माण विभाग उप संभाग

भैसमा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

अभियंता दिवस की हार्दिक बधाई...



उप अभियंता

लोक निर्माण विभाग

कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...



अनुविभागीय अधिकारी

लोक निर्माण विभाग उप संभाग

कटघोरा क्र.-1, जिला-कोरबा (छ.ग.)

अभियंता दिवस की हार्दिक बधाई...



अनुविभागीय अधिकारी

लोक निर्माण विभाग उप संभाग

कटघोरा क्र.-2, जिला-कोरबा (छ.ग.)

अभियंता दिवस की हार्दिक बधाई...



इंजी. स्वयं अग्रवाल

उप अभियंता - जल संसाधन उप संभाग

कटघोरा क्र.-2, जिला-कोरबा (छ.ग.)

राष्ट्र को समर्पित व्यक्तित्व सर मोक्षगुंडम जी की जयंती (15 सितंबर) अभियंता दिवस पर सभी का हार्दिक अभिनंदन...



अनुविभागीय अधिकारी

ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा

उप संभाग करतला, जिला-कोरबा (छ.ग.)

राष्ट्र के प्रथम अभियंता सर मोक्षगुंडम जी की जयंती अभियंता दिवस पर आप सभी को हार्दिक बधाई...



अनुविभागीय अधिकारी

ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा

उप संभाग कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

राष्ट्र को समर्पित व्यक्तित्व सर मोक्षगुंडम जी की जयंती (15 सितंबर) अभियंता दिवस पर सभी का हार्दिक अभिनंदन...



इंजी. नयन रंजन चौधरी

कार्यपालन अभियंता

जल संसाधन संभाग

कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

इंजी. एस.एस. रात्रे

अनुविभागीय अधिकारी

जल संसाधन, उप संभाग कोरबा

राष्ट्र के नवनिर्माण में अहम योगदान देने वाले देश के प्रथम अभियंता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जी की जयंती 15 सितंबर पर शत शत नमन एवं अभियंता दिवस पर सभी अभियंताओं का हार्दिक अभिनंदन...

आप जो सीख चुके हो उससे अधिक सीखने का प्रयास करो



अहंकारी मत बनो, स्वभाव विनम्र बनाओ और साथियों के साथ मिलकर काम करने की आदत डालो।

- सर मोक्षगुंडम

इंजी. के.एस. पैकरा

अनुविभागीय अधिकारी

जल संसाधन

उप संभाग कटघोरा क्र.-01

जिला - कोरबा

त्यौहार पर बढ़ाएं पैरों की खूबसूरती, ट्राई करें ये Trendy Bichhiya Designs



त्यौहारों पर महिलाओं के लिए सोलह श्रृंगार का विशेष महत्व होता है। पावन अवसर पर पैरों की सुंदरता बढ़ाने के लिए एडजस्टेबल बिछिया के नए डिजाइंस महिलाओं के बीच काफी पसंद किए जा रहे हैं। फ्लोरल, ऑक्सिडाइज्ड, मीनाकारी और मिनिमलिस्टिक पैटर्न्स पारंपरिक लुक को आधुनिक स्पर्श देने के लिए सबसे बेहतरीन विकल्प बन चुके हैं।

हिंदू धर्म में व्रत-त्योहार का विशेष महत्व माना जाता है। सोलह श्रृंगार को पूरा करने के लिए नए पैटर्न वाली बिछिया जरूर खरीदें।

फ्लोरल पैटर्न एडजस्टेबल सिल्वर बिछिया

आजकल फूलों के डिजाइन वाली बिछिया काफी पसंद कर लिए हैं। ऐसे में यदि आप भी बिछिया खरीद का सोच रहे हैं, तो फ्लोरल पैटर्न वाली यह एडजस्टेबल बिछिया खरीद सकती है। आप चाहे सूरजमुखी, कमल से लेकर गुलाब और पंखुड़ियों की नक्काशी वाले कई सुंदर डिजाइंस मिल जाएंगे।

ऑक्सिडाइज्ड आर्च और घुंगरू बिछिया

पैरों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए आप ऑक्सिडाइज्ड आर्च और घुंगरू बिछिया खरीदकर पहन सकती हैं। चांदी की बिछिया के ऐसे डिजाइंस आपके पैरों को खूबसूरत बनाने के साथ ही आपके लुक में चार चांद लगा देगा।

मीनाकारी वर्क बिछिया

आजकल मीनाकारी वर्क बिछिया काफी ट्रेंड में है। यदि आप पैरों को सुंदर लुक देना चाहती हैं, तो आप रंग-बिरंगे पथरों वाली मीनाकारी बिछिया आपके लिए एकदम परफेक्ट है। यह बिछिया आपके पैरों पर खूब जचेली।

मिनिमलिस्टिक सिंगल स्टोन बिछिया

अगर आपको ज्यादा हैवी डिजाइन पसंद नहीं है, तो आप लाइटवेट बिछिया पहना सकते हैं, इसके लिए आप पतले चांदी के छल्ले के ऊपर एक नग वाली बिछिया बेहद खूबसूरत लगेगी। यह पैरों में चार चांद लगा देंगी। दिव्यांशी। एजेंसी।



नीता अंबानी ने राधिका को किया इग्नोर? श्लोका का हाथ थामे आगे बढ़ीं

06 सितम्बर को अंबानी लेडीज अबु जानी संदीप खौसला के 40 ईयर्स सेलिब्रेशन में पहुंची, जहां नीता अंबानी अपनी दोनों बहुओं श्लोका मेहता-राधिका मर्चेंट और बेटी ईशा अंबानी के साथ नजर आईं। अपनी बहु और बेटी दोनों को बराबर प्यार देने वाली नीता अंबानी ने अपनी बहु राधिका मर्चेंट के साथ कुछ ऐसा कर दिया कि अब ये वीडियोज तेजी से वायरल हो रही है।

जैसे ही नीता अंबानी अपनी दोनों बहुओं और बेटी ईशा के साथ स्टेज पर मीडिया को पोज दे रही थीं, तो जाते जाते नीता अंबानी ने

अपनी बहु श्लोका का हाथ थामा और आगे चल दी। अब ये बात यूजर्स ने नोटिस कर ली। उनका कहना है कि नीता अंबानी ने राधिका को इग्नोर कर दिया है, लेकिन अगर ये बात सही है, तो नीता अंबानी ने ऐसा क्यों किया होगा या फिर यूजर्स ने कुछ ऐसा ही बेकार में नोटिस कर लिया है। ये बस एक इत्तेफाक ही रहा होगा।

वैसे चारों अंबानी लेडीज खूबसूरत बहुत लग रही थी, चारों ने ही अबु जानी संदीप खौसला की डिजाइनर आउटफिट्स पहनी थीं। हालांकि सबसे ज्यादा वाहावाही तो नीता अंबानी जी को ही मिली।

Perfect Look पाने के लिए Body Shape के अनुसार चुनें Best Outfit

अक्सर हम ट्रेंड के हिसाब से कपड़े खरीदते हैं। लेकिन जब उसको पहनकर देखते हैं, तो वह हमारी बॉडी पर उतना नहीं जच रहा होता है। ऐसे में हम आपको बताने जा रहे हैं कि कौन से बॉडी टाइप पर कौन सी ड्रेसेज अच्छी लगेंगी।

हर तरह की बॉडी टाइप के लिए बेस्ट फिटिंग बॉडी टाइप का मतलब मोटे और पतले होने से कहीं ज्यादा होता है। जिसको अक्सर हम अनदेखा कर देते हैं। आमतौर पर महिलाओं की शारीरिक बनावट के 5 प्रकार होते हैं। जिसके बारे में हम आपको यहां पर बताने जा रहे हैं।

इसमें शरीर का निचला हिस्सा ऊपर वाले हिस्से से ज्यादा चौड़ा होता है। इस बॉडी टाइप में शरीर को छिपाने की नहीं बल्कि कपड़े पहनने में एक अच्छे बैलेंस की जरूरत होती है।

इस बॉडी टाइप पर ए-लाइन कुर्ती और सूट खूब फबते हैं। इसके अलावा स्कावर नेक, बोटने, एम्ब्रॉइडरी नेक और ड्रेस की स्लीव्स पर डिटेलिंग वाले कपड़े परफेक्ट ऑप्शन हैं। अगर बॉटम वियर की बात की जाए, तो प्लाजो, स्ट्रेट पैट और बॉटमस को चुना जा सकता है।

ऑवरग्लास

ऑवरग्लास टाइप में शरीर के हिप्स और कंधों का अनुपात लगभग समान होता है। इसमें कमर एकदम पतली दिखती है। ऐसे में उन

क्या आप भी ऐसा सोचते हैं कि स्टाइलिश दिखने का मतलब सिर्फ महंगे ब्रैंडेड कपड़े पहनना होता है। तो बता दें कि यह आपका बहुत बड़ा भ्रम है। क्योंकि स्टाइल में आपका बॉडी टाइप भी उतना ही मायने रखता है। अक्सर हम ट्रेंड के हिसाब से कपड़े खरीदते हैं। लेकिन जब उसको पहनकर देखते हैं, तो वह हमारी बॉडी पर उतना नहीं जच रहा होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि कौन से बॉडी टाइप पर कौन सी ड्रेसेज अच्छी लगेंगी।

कपड़ों को चुनना चाहिए, जिसमें शरीर के कर्व्स को बैलेंस किया जा सके।

रैप ड्रेसेस, हार्ड-वेस्ट जॉस, फिट एंड फ्लेयर ड्रेसेस और ट्राउजर, फिटिंग ब्लाउज, पैनलड सूट, बॉडीकोन ड्रेसेस चुनने में ही समझदारी है।

रेक्टेंगल शोप

रेक्टेंगल शोप की खासियत यह है कि इसमें कमर, कंधे और हिप्स तीनों की चौड़ाई लगभग एक समान होती है। इस वजह से कमर उभरी नहीं लगती है। इसलिए उन कपड़ों को चुनना चाहिए, जिसमें कमर को शोप मिल सके।

फिट-एंड-फ्लेयर ड्रेस, रैप ड्रेस, ए-लाइन और बेल्ट वाली शर्ट ड्रेस, लेयरिंग ड्रेस के साथ ही एथनिक में ए-लाइन कुर्ता, अनारकली सूट और बेल्ट के साथ लहंगा या साड़ी जैसे ऑप्शन चुन सकते हैं।

एप्पल शोप

बता दें कि इसमें कपड़े ज्यादा ढीले-ढाले नहीं होने चाहिए। अक्सर महिलाएं ओवरसाइज कपड़े खरीदती हैं, जिससे कि वह अपने बेली फैट को छिपा सकें। लेकिन यह कपड़े शरीर को ज्यादा बड़ा दिखाने का काम करते हैं। इस बॉडी टाइप में छाती और पेट का हिस्सा थोड़ा हैवी होता है, लेकिन कमर का साइज साफ नहीं पता चलता है।

लाइट स्ट्रक्चर की वी नेक, रैप ड्रेसेस, ए-लाइन कुर्ती, स्ट्रेट कट कुर्ती और एम्पायर वेस्ट के साथ शिफॉन, सिल्क और जॉर्जेट जैसे हल्के कपड़े पहनना चाहिए।

इनवर्टेड ट्रायंगल

इस शोप से आपको यह साफ पता चल रहा है, जिसमें शरीर का निचला हिस्सा पतला और ऊपरी हिस्सा चौड़ा होता है। इस बॉडी टाइप में



चेस्ट और कंधे थोड़े चौड़े और कमर व हिप्स पतले दिखते हैं।

कपड़ों में फ्लेयर्ड ड्रेस, पीपलम ड्रेस, ए-लाइन ड्रेसेस, वाइड-लेग या पलाजो पैट, वी-नेक या स्कूप नेकलाइन को प्राथमिकता देनी चाहिए।

अनन्या मिश्रा। एजेंसी।

Skin Care Routine में शामिल करें Aprajita Flower Toner बेदाग चेहरे के लिए असरदार उपाय



खराब खानपान और लाइफस्टाइल के कारण चेहरे की चमक खो जाती है। ऐसे में अपराजिता के नीले फूलों से बना होममेड टोनर त्वचा को प्राकृतिक रूप से बेदाग और चमकदार बनाने में मदद करता है। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर यह बटरफ्लाई पी टोनर स्किन केयर रूटीन के लिए एक बेहतरीन विकल्प है।

आजकल हर किसी की चाहत होती है, उसकी त्वचा बेदाग निखरी हुई हो। लेकिन खानपान के कारण और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के चलते चेहरा ग्लो एकदम खत्म हो जाता है। अपने चेहरे को ग्लोइंग बनाने के लिए आप नेचुरल रूप से स्किनकेयर जरूर करें।

कौन सा सांप है बड़ा, टाइटनोबोआ या अनाकोंडा ?

दरअसल, अपराजिता का नीला फूल ज्यादातर पूजा-पाठ में इस्तेमाल किया जाता है, ज्यादातर लोगों के घर में इसका पौधा लगा भी होता है। अपराजिता यानी बटरफ्लाई पी के फूल में एंटीऑक्सीडेंट कंपाउंड पाए जाते हैं, इसलिए इससे बने स्किनकेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए आपको बताते हैं अपराजिता के फूलों से कैसे बनाएं होममेड टोनर।

अपराजिता का टोनर बनाने के लिए क्या चाहिए ?

- सूखे अपराजिता के फूल 2-3
- साफ पानी- 1 पानी
- साफ कांच की बॉटल या स्प्रे बॉटल
- छलनी
- ग्लिसरीन

कैसे बनाएं अपराजिता का टोनर

- सबसे पहले आप एक कप पानी को थोड़ा-सा गर्म कर लें।
- इसमें 2-3 सूखे अपराजिता के फूल डाल दें।
- इसे करीब 5 से 10 मिनट तक ऐसे ही रहने दें।
- फिर आपको दिखेगा कि पानी का रंग धीरे-धीरे नीला हो जाएगा।

ताजेफूल मंगाएं

- अब गैस बंद कर दें और इस पानी को पूरी तरह ठंडा होने दें।
- इसके बाद पानी को छान लें।
- फिर इसमें ग्लिसरीन मिला सकते हैं।
- अब इस नीले पानी को साफ और सूखी बॉटल में भर लें।
- आपका होममेड अपराजिता टोनर तैयार है।

चेहरे पर कैसे लगाएं अपराजिता के फूलों का टोनर ?

इसे लगाने से पहले सबसे पहले चेहरा को साफ कर लें। अब कॉटन पैज की मदद से थोड़ा टोनर चेहरे पर लगाएं। चॉहें तो आप स्प्रे भी कर सकते हैं। इसे लगाने के बाद चेहरा को तुरंत धोने की जरूरत नहीं है। कुछ देर इसे स्किन पर ऐसे ही रहने दें और इसके आप भी अपनी नॉर्मल स्किनकेयर रूटीन को फॉलो कर सकते हैं। दिव्यांशी भदौरिया। एजेंसी।

गुलदस्ते को ज्यादा दिनों तक ऐसे रखें फ्रेश

चीनी मिलाएं। दोनों चीजों को पानी में अच्छी तरह घुलने के बाद फूलों को इसमें रखा जा सकता है। कैसे काम कर सकता है ये तरीका ?

सिरका पानी में बैक्टीरिया की बढ़ोतरी को कम करने में मदद कर सकता है, जबकि चीनी कटे हुए फूलों को ऊर्जा का स्रोत देने के लिए इस्तेमाल की जाती है।

तने को 45 डिग्री के एंगल पर काटें

फूलों को पानी में रखने से पहले उनके तनों को लगभग 45 डिग्री के कोण पर काटना एक आम फ्लावर-केयर टिप है। इससे तने

का पानी सोखने वाला हिस्सा खुला रहता है। इसके अलावा, तने के निचले हिस्से में मौजूद उन पत्तियों को हटा दें जो पानी के अंदर डूबने वाली हैं।

रोज बदलें फूलदान का पानी

फूलों को लंबे समय तक फ्रेश रखने के लिए फूलदान का पानी नियमित रूप से बदलना जरूरी है। कोशिश करें कि हर दिन या पानी गंदा होने पर उसे बदल दें। नया पानी डालने से पहले फूलदान को भी अच्छी तरह धो लें, ताकि उसमें जमा गंदगी और बैक्टीरिया कम किए जा सकें। एजेंसी।

बेजान बालों के लिए बेहद असरदार है Rice Water Rinse

प्रदूषण, धूल-मिट्टी, बदलता मौसम और केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से बालों की नमी कहीं खो जाती है, जिस कारण बाल बेजान और रखे नजर आते हैं। गौरतलब है कि बेजान बालों के कारण आपकी खूबसूरती में कमी आती है। इस समस्या से बचने के लिए ज्यादातर महिलाएं महंगे-महंगे हेयर स्पा या फिर कंडीशनर का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन फिर भी आपको कोई फायदा नजर नहीं आ रहा होगा।

अगर आप चावल के पानी यानी राइस वॉटर का इस्तेमाल करेंगे, तो बेजान बालों की समस्या झड़ से खत्म हो जाएगी।

बालों के लिए राइस वॉटर रिस का इस्तेमाल कैसे करें ?

बाल धोने के बाद सही तरीके से राइस वॉटर रिस करने से बालों में गजब की चमक आती है और बालों का टूटना भी कम होता है। आइए आपको बताते हैं कैसे घर पर फर्मेन्टेड राइस वॉटर को तैयार करें।

फर्मेन्टेड राइस वॉटर तैयार करने का आसान तरीका

- सबसे पहले आप आधा कप चावल लें और उन्हें साफ पानी से दो-तीन बार अच्छी तरह से धो लें।
- इसके बाद चावल में 2 कप साफ पानी डालकर भिगो दें।
- फिर इसे ढक्कर कम से कम 24 घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

- अब 24 घंटे के बाद पानी को छानकर किसी साफ से बोतल या बर्तन में निकाल लें। आपका फर्मेन्टेड राइस वॉटर तैयार हो जाएगा।

राइस वॉटर इस्तेमाल करने की सही स्टेप-बाय-स्टेप विधि



राइस वॉटर का सही इस्तेमाल करने के लिए कुछ खास स्टेप्स को फॉलो कर सकते हैं-

शैम्पू से बाल धोकर राइस वॉटर लगाएं

- सबसे पहले आप अपने बालों की किसी माइल्ड या सल्फेट-फ्री शैम्पू से अच्छे से वॉश कर लें।
- फिर बाद में गीले बालों पर ही तैयार किया गया राइस वॉटर को डालें।

- इसे बालों की जड़ों से लेकर नीचे सिरों तक अच्छे लगाएं। स्प्रे बोतल की मदद से इसे लगाना काफी आसान होगा।

स्कैल्प की मसाज करें और सादे पानी से धोएं

- राइस वॉटर लगाने के बाद कम से कम 3 से 5 मिनट तक रुकें और फिर हल्के हाथों से स्कैल्प की मसाज करें।
- मालिश करने के बाद इस पानी को बालों में 10-15 मिनट के लिए ऐसे ही लगा रहने दें।
- फिर सादे पानी से बालों को अच्छी तरह से धो लें। इस बात का ध्यान रखें कि दोबारा शैम्पू का इस्तेमाल बिल्कुल न करें।



Ayesha Khan का रॉयल अवतार,



अगर आप चाहते हैं कि आपके पर्सदीदा फूल कुछ दिनों तक फ्रेश और खूबसूरत नजर आएँ, तो कुछ आसान टिप्स आपको मदद कर सकते हैं।

पानी में मिलाएं ये 2 चीजें

दिली कपूर के बताए हैंक के अनुसार, सबसे पहले एक साफ फूलदान लें और उसमें साफ पानी भरें। अब इसमें 2 बड़े चम्मच सफेद सिरका और 2 बड़े चम्मच

पिंपल्स से हैं परेशान, बर्फ और ग्रीन टी का ये नुस्खा दे सकता है राहत



शारी, पार्टी या किसी खास इवेंट से कुछ दिन पहले चेहरे पर अचानक पिंपल निकल आए तो चिंता होना स्वाभाविक है। पिंपल न सिर्फ चेहरे की खूबसूरती को प्रभावित कर सकता है, बल्कि उसके आसपास लालिमा, सूजन और हल्का दर्द भी हो सकता है। ऐसे में कई लोग तुरंत राहत के लिए घरेलू नुस्खे आजमाते हैं। इन्हीं में से एक तरीका है ग्रीन टी और बर्फ का इस्तेमाल। ग्रीन टी में मौजूद कुछ एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा के लिए फायदेमंद हो सकते हैं, जबकि ठंडी सिकाई पिंपल के आसपास की सूजन और लालिमा को कुछ समय के लिए कम करने में मदद कर सकती है। हालांकि, यह मुंहासों का स्थायी इलाज नहीं है और संवेदनशील त्वचा पर सावधानी से इस्तेमाल करना चाहिए।

ऐसे बनाएं ग्रीन टी आइस क्यूब

इसे तैयार करना काफी आसान है।

इसके लिए इन स्टेप्स को फॉलो करें सबसे पहले एक कप पानी उबालें।

इसमें 1-2 ग्रीन टी बैग या

करीब एक चम्मच ग्रीन टी की पत्तियां डालें।

इसे करीब 5 मिनट तक ढक्कर

रखें और फिर ग्रीन टी को छान लें।

चाय को पूरी तरह ठंडा होने दें। अब इसे साफ आइस ट्रे में

डालकर फ्रीजर में जमा लें।

आइस क्यूब पूरी तरह जमने के बाद ही इसका इस्तेमाल करें।

चेहरे पर लगाने का सही तरीका

बर्फ को सीधे त्वचा पर रगड़ना सही नहीं है, क्योंकि इससे जलन या त्वचा को नुकसान हो सकता है। इसलिए ग्रीन टी आइस क्यूब का इस्तेमाल इस तरह करें- सबसे पहले चेहरे को माइल्ड क्लींजर से साफ कर लें। एक साफ और पतले सूती कपड़े में ग्रीन टी आइस क्यूब लपेटें।

पिंपल्स पर कैसे काम कर सकती है ग्रीन टी और बर्फ ?

ग्रीन टी में पॉलीफेनॉल जैसे यौगिक पाए जाते हैं, जिनमें एंटीऑक्सीडेंट और सूजन कम करने वाले गुण होते हैं। वहीं, ठंडी सिकाई प्रभावित हिस्से में सूजन और लालिमा को अस्थायी रूप से कम कर सकती है। इसलिए अगर किसी पिंपल में ज्यादा सूजन या रेडनेस है, तो ग्रीन टी से बने आइस क्यूब की हल्की सिकाई कुछ लोगों को राहत दे सकती है।

बालको का सामुदायिक विकास कार्य बना सामाजिक बदलाव की मजबूत कड़ी

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

किसी गांव में जब किसान अपनी फसल के लिए बारिश का इंतजार करने के बजाय सिंचाई के भरोसे दूसरी और तीसरी फसल लेने लगे, जब किसी महिला के हाथों का हुनर परिवार की आय का जरिया बन जाए, जब किसी युवा को कौशल प्रशिक्षण के बाद रोजगार का अवसर मिले और जब किसी बच्चे को गांव की आंगनबाड़ी में बेहतर शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सुविधाएं मिले, तब विकास केवल एक आंकड़ा नहीं रहता, वह जीवन में दिखाई देने वाला बदलाव बन जाता है।

जीवन के हर पड़ाव से जुड़ा विकास

बालको की सामुदायिक विकास रणनीति ‘मानव जीवन चक्र आधारित दृष्टिकोण’ पर आधारित है, जिसमें व्यक्ति और परिवार के जीवन के विभिन्न चरणों की जरूरतों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं। प्रारंभिक बाल्यावस्था में पोषण और शिक्षा से लेकर स्कूली शिक्षा, कौशल, रोजगार, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामुदायिक कल्याण तक निरंतर विकास पर ध्यान दिया गया है। इसी सोच का उदाहरण नंद घर हैं, जहां आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक और बच्चों के अनुकूल सीखने के स्थानों में विकसित किया गया है।

वित्तवर्ष 2026 में 111 नंद घरों से बच्चों और माताओं को लाभ मिला। 7,226 विद्यार्थियों को डिजिटल कक्षाओं का सहयोग मिला, जबकि 400 से अधिक विद्यार्थी शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों से जुड़े। 800 से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को प्रशिक्षण दिया गया तथा चिन्हित कुपोषित बच्चों में 75 प्रतिशत में स्वास्थ्य सुधार दर्ज हुआ। शिक्षा के क्षेत्र में बालको ने सरकारी स्कूलों में डिजिटल कक्षाओं, रिमैडियल एजुकेशन और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को बढ़ावा दिया। बालको कनेक्ट कोचिंग कार्यक्रम के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए कोरबा और कवर्धा में 2 कोचिंग केंद्र संचालित किए गए। वित्तवर्ष 2026 में 84 अभ्यर्थियों का सरकारी परीक्षाओं में चयन हुआ। इन प्रयासों ने युवाओं को बेहतर मार्गदर्शन, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास के साथ अपने भविष्य को नई दिशा देने का अवसर दिया।

खेल और संस्कृति से नई उड़ान

युवाओं की प्रतिभा को पहचानने और उन्हें अवसर देने के लिए लक्ष्यवेद-बालको तीरंदाजी कार्यक्रम शुरू किया गया। छत्तीसगढ़ की पारंपरिक तीरंदाजी विरासत को आधुनिक प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं से जोड़ते हुए 29 स्कूलों में तीरंदाजी प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। 1,200 से अधिक विद्यार्थियों की जांच हुई और 70 प्रतिभागियों ने चयन परीक्षण में सफलता हासिल की।

कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष गजानंद प्रसाद साहू के जन्मदिन पर दी गई बधाई

कोरबा (दिव्य आकाश)। जिला कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ शहर के जिलाध्यक्ष गजानंद प्रसाद साहू का 11 सितम्बर को जन्मदिन था। श्री साहू के जन्मदिन पर जिला कांग्रेस कार्यालय में छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत पहुंचे और श्री साहू को सुदीर्घ एवं स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए बुके भेंट किया।

श्री साहू को पूर्वमंत्री जयसिंह अग्रवाल ने भी अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कर समृद्ध जीवन की शुभकामनाएं दी। श्री



साहू को बधाई देने वालों में रामपुर विधायक फूलसिंह राठिया, जिला कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष मुकेश राठौर, पूर्व विधायक मोहितराम केरकेट्टा, ग्रामीण अध्यक्ष मनोज चौहान, नगर पालिका परिषद कटघोरा

अध्यक्ष राज जायसवाल, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजेश मानिकपुरी, नवनि्युक्त कार्यालय महामंत्री सुरेश अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल थे।

घर में भी परिजनों ने मनाया जन्मदिन
गजानंद प्रसाद साहू का परिवार काफी विस्तारित है और 11 सितम्बर को निजनिवास में परिजनों ने उनका जन्मदिन खासतौर से उल्लास के साथ मनाया। पुत्र लक्ष्मीकांत साहू ने बताया कि पापा के दीर्घायु एवं स्वस्थ तथा सुलभ जीवन के लिए परिवारजनों ने प्रार्थना की और पूजा-अर्चना कर उनके सतत सौभाग्य के लिए ईश्वर से आशीर्वाद मांगा। केक काटकर पापा के जन्मदिन को अच्छे से सेलिब्रेट किया गया।



2026 में 123 गांव के 1.80 लाख लोगों तक पहुंची बालको की सेवा



भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) की सामुदायिक विकास यात्रा समुदाय के साथ मिलकर दीर्घकालिक बदलाव की सोच पर केंद्रित है। वित्तीय वर्ष 2026 में बालको की पहल ने 123 गांवों में 1.80 लाख लोगों तक पहुंच बनाई। शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, महिला सशक्तिकरण, सामुदायिक अधोसंरचना और खेल के माध्यम से लोगों की क्षमताओं को मजबूत किया गया। किसान आधुनिक कृषि अपनाकर दूसरों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। महिलाएं स्वयं सहायता समूहों और उद्यमों का संचालन कर रही हैं तथा युवा कौशल के माध्यम से रोजगार और नेतृत्व के अवसर हासिल कर रहे हैं। यह साझी भागीदारी विकास को केवल परियोजना नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और स्थायी सामाजिक बदलाव की यात्रा बनाती है।

वेदांता स्किल स्कूल: कौशल से रोजगार तक

ग्रामीण युवाओं को रोजगार योग्य बनाने में वेदांता स्किल स्कूल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वित्तवर्ष 2026 में कोरबा, कवर्धा और सरगुजा स्थित तीन केंद्रों में 1,202 युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें से 82 प्रतिशत युवाओं ने रोजगार या उद्यमिता से जुड़ाव हासिल किया। रोजगार उपलब्ध कराने वाली 75 संस्थाओं का नेटवर्क 12 राज्यों तक विस्तारित हुआ। प्रशिक्षण में 61 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी रही, जबकि 59 प्रतिशत प्रतिभागी अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदायों से थे। तकनीकी प्रशिक्षण के साथ युवाओं को व्यक्तित्व विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक से परिचय, औद्योगिक भ्रमण, सुरक्षा प्रशिक्षण, स्वास्थ्य संबंधी सत्र और कर्मचारियों का मार्गदर्शन भी मिला। यह पहल युवाओं में ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास और कार्यक्षमता विकसित कर उन्हें बदलती अर्थव्यवस्था और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तैयार कर रही है।



कोसा रेशम: विरासत से आजीविका तक

छत्तीसगढ़ की पारंपरिक पहचान को आधुनिक बाजार से जोड़ने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में कोसाकारी पहल की शुरुआत की गई। धनगांव में कोसा बुनाई प्रशिक्षण केंद्र स्थापित कर 20 महिला बुनकरों को प्रशिक्षण दिया गया। ‘कोसाकारी’ नाम से ब्रांड और डिजिटल मंच की शुरुआत ने बुनकरों को बाजार से जोड़ने और उनके उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाने की दिशा में नई राह खोली।

उन्नति परियोजना: लाभार्थी से नेतृत्वकर्ता तक

बालको के सामुदायिक विकास प्रयासों में महिला सशक्तिकरण को आर्थिक और सामाजिक बदलाव का महत्वपूर्ण माध्यम माना गया है। उन्नति परियोजना के माध्यम से महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों, वित्तीय समावेशन और उद्यमिता से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने का प्रयास किया गया है।

वित्तवर्ष 2026 में 40 नए स्वयं सहायता समूह बनाए गए, जिससे कुल संख्या बढ़कर 561 समूह और 6,003 महिलाओं तक पहुंची। इनमें 2,259 महिलाएं आर्थिक रूप से सक्रिय हैं। समूहों की सामूहिक बचत बढ़कर 0.92 करोड़ रुपये हुई, जबकि 90 प्रतिशत समूह नियमित बैठकों और आंतरिक ऋण व्यवस्था में सक्रिय रहे। 19 स्वयं सहायता समूहों को बैंक से जोड़ा गया,



जिससे लगभग 27 लाख रुपये का ऋण सहयोग मिला। उन्नति महासंघ के सहयोग से उनाटेक्स, डेकोराती, छत्तीसा, किलनला, मशरूम उत्पादन और कोसाकारी के अंतर्गत कोसा रेशम जैसे उद्यमों से 600 से अधिक महिलाएं जुड़ीं और लगभग 20 लाख रुपये का राजस्व अर्जित हुआ। वहीं 21 सूक्ष्म उद्यमों के माध्यम से 104 महिलाओं को अवसर मिला और प्रति महिला लगभग 3,500 रुपये प्रतिमाह अतिरिक्त आय का अवसर बना।

आंकड़ों से आगे, बदलाव की कहानी

1.80 लाख लोगों तक पहुंच बालको की सामुदायिक विकास यात्रा का महत्वपूर्ण आंकड़ा है, लेकिन इसकी असली पहचान उन बदलावों में है, जो लोगों के जीवन में दिखाई देते हैं। किसान का बढ़ा आत्मविश्वास, महिला की आर्थिक निर्णय लेने की क्षमता, कौशल और रोजगार से जुड़ता युवा, बेहतर सीखने के अवसर पाता बच्चा और समय पर स्वास्थ्य सेवा से मजबूत होता परिवार, यही इस यात्रा की वास्तविक उपलब्धियां हैं।

बालको का प्रयास सामुदायिक विकास को परियोजनाओं तक सीमित रखने के बजाय साझी विकास यात्रा बनाना है, जहां समुदाय अपनी क्षमताओं को मजबूत कर भविष्य की चुनौतियों का सामना स्वयं कर सके। स्थायी विकास तभी संभव है, जब सहयोग आत्मविश्वास में, आत्मविश्वास क्षमता में और क्षमता पूरे समुदाय की ताकत में बदल जाए। यही बालको की भावना है, प्रेरित करना, सक्षम बनाना और समुदाय के साथ मिलकर बेहतर, समावेशी और आत्मनिर्भर भविष्य का निर्माण करना।

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने दी सुरेश अग्रवाल को बधाई

कोरबा (दिव्य आकाश)।



जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) सुरेश अग्रवाल को कार्यालय महामंत्री का दायित्वपूर्ण पद मिलने पर प्रदेश अखबार वितरक संघ की कोरबा इकाई ने पुष्पगुच्छ देकर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की। जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू की अनुवाई में श्री अग्रवाल को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संरक्षक रेशम लाल साहू, सचिव जय नेताम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, मीडिया प्रभारी रमायण सिंह (रामा), सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

महंगाई ने तोड़ी कमर: खाद्य पदार्थ, पेट्रोलियम और बिजली की कीमतों में भारी बढ़ौतरी

नई दिल्ली, एजेंसी।

खाने-पीने की चीजों, विनिर्मित वस्तुओं, पेट्रोलियम और बिजली की कीमतों में बढ़ौतरी की वजह से अगस्त में देश की थोक व खुदरा महंगाई दर में बढ़ौतरी दर्ज की गई। यहां थोक महंगाई 9.92 प्रतिशत पर 4.82 फीसदी पर पहुंच गई।

थोक महंगाई दर जुलाई में 9.78 प्रतिशत थी। अगस्त लगातार चौथा महीना रहा, जब देश की थोक महंगाई दर 10 प्रतिशत के करीब बनी हुई है। आज जारी हुए सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

इस दौरान खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर बढ़कर 7.05 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीने जुलाई में 6.65 फीसदी थी। इसके अलावा, अगस्त में विनिर्मित वस्तुओं की थोक मुद्रास्फीति 8.37 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जो जुलाई में 8.29 प्रतिशत थी। वहीं पेट्रोलियम और बिजली में थोक महंगाई दर तेजी से बढ़कर 22.93 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई में 20.05 प्रतिशत थी।

ये रहे खुदरा महंगाई के आंकड़े
राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एन.एस.ओ.) द्वारा जारी सी.पी.आई. आंकड़ों के अनुसार अगस्त में खाद्य मुद्रास्फीति बढ़कर 5.95 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले माह में 5.52 प्रतिशत थी। रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के

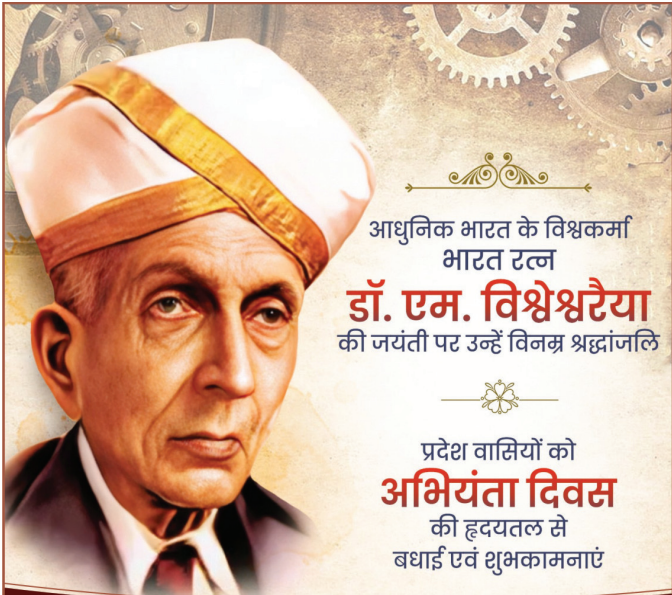
लिए सी.पी.आई. आधारित मुद्रास्फीति के 5 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया है, जिसके दूसरी तिमाही में 4.7 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.9 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 5.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फीति की चिंताओं के बीच हाल ही में प्रमुख नीतिगत दर रेपो को यथावत् रखा था। सरकार ने आर.बी.आई. को मुद्रास्फीति को 2 से 6 प्रतिशत के दायरे में बनाए रखने की जिम्मेदारी दी है। इस बीच खाद्य, ईंधन और विनिर्मित वस्तुओं के दाम बढ़ने से थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यू.पी.आई.) आधारित मुद्रास्फीति भी अगस्त में बढ़कर 9.92 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई में 9.78 प्रतिशत थी।

महंगाई बढ़ने के प्रमुख कारण

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने थोक महंगाई दर के आंकड़े जारी करते हुए कहा, ‘विभिन्न समूहों में खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों वाले), खाद्य वस्तुएं, खाद्य उत्पादों का विनिर्माण, बुनियादी धातुओं का विनिर्माण, गैर-खाद्य वस्तुएं तथा रसायनों और रासायनिक उत्पादों का विनिर्माण अगस्त 2026 में थोक मुद्रास्फीति बढ़ने के प्रमुख कारण रहे।’

पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव की वजह से महंगा हुआ कच्चा तेल भी महंगाई का प्रमुख कारण है।

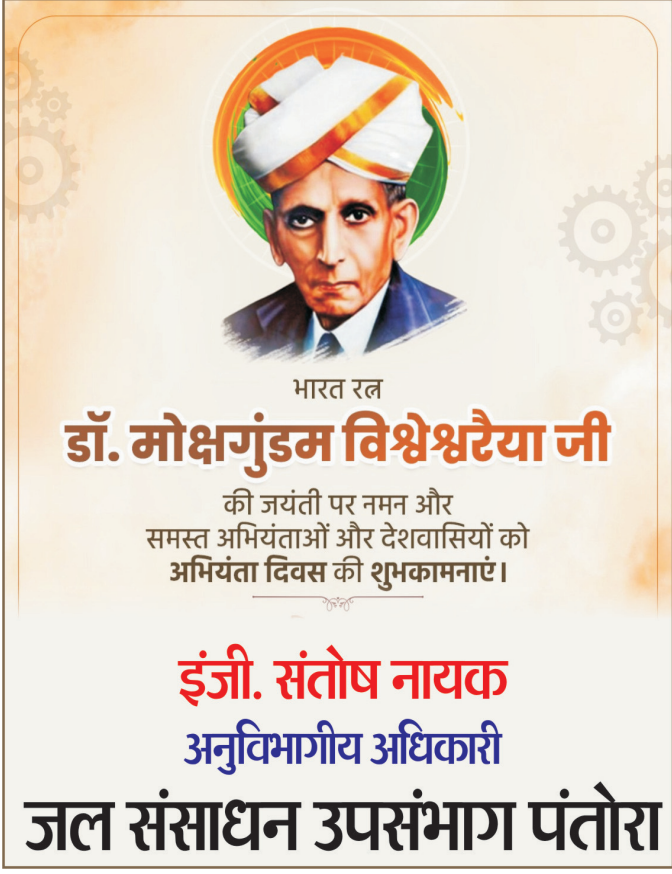


इंजी. प्रदीप टोप्पो

अनुविभागीय अधिकारी

मिनीमाता हसदेव जल प्रबंध उप संभाग

कोरबा, जिला- कोरबा (छ.ग.)



भारत रत्न

डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जी

की जयंती पर नामन और समस्त अभियंताओं और देशवासियों को अभियंता दिवस की शुभकामनाएं।

इंजी. संतोष नायक

अनुविभागीय अधिकारी

जल संसाधन उपसंभाग पंतोरा